राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 22 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-31 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

बंगले में लगी आग तो खुला राज कि जज साहब तो हैं धनकुबेर

-कैश का भंडार मिलने के बाद कॉलेजियम ने की तबादले की सिफारिश

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के तबादले की सिफारिश की है। यह निर्णय तब आया जब उनके सरकारी बंगले में आग लगने के बाद भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने उन्हें वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने की अनुशंसा की है। सूत्रों के अनुसार, जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास में अचानक आग लग गई थी। जब दमकल कर्मियों ने आग बुझाई, तो बंगले के अंदर भारी मात्रा में नकदी पाई गई। इसके बाद यह मामला न्यायपालिका के उच्चतम स्तर तक पहुंचा, और सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने आपात बैठक बुलाकर जस्टिस वर्मा के तबादले का निर्णय लिया। बताया गया है कि आग लगने के समय जस्टिस वर्मा दिल्ली में मौजूद नहीं थे। उनके परिवार के सदस्यों ने पुलिस और दमकल विभाग को सूचित किया था। आग बुझाने के बाद जब सरकारी रिकॉर्ड में बेहिसाब नकदी दर्ज हुई, तो सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम को इसकी जानकारी दी गई। इसके बाद आपात बैठक में उनके ट्रांसफर की सिफारिश की गई। सूत्रों की मानें तो सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के कुछ सदस्यों ने इस घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की है। उनका मानना है कि केवल तबादला करने से न्यायपालिका की छवि प्रभावित हो सकती है। कुछ सदस्यों का सुझाव है कि जस्टिस वर्मा से इस्तीफा लिया जाना चाहिए, अन्यथा उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू की जाए।

इन-हाउस जांच की प्रक्रिया

संविधान के अनुसार, किसी भी न्यायाधीश के खिलाफ भ्रष्टाचार, अनियमितता या कदाचार के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 1999 में एक इन-हाउस प्रक्रिया स्थापित की थी। इस प्रक्रिया के तहत, सीजेआई पहले संबंधित न्यायाधीश से स्पष्टीकरण

मांगते हैं। यदि जवाब संतोषजनक नहीं होता, तो एक विशेष समिति गठित की जाती है, जो जांच के आधार पर निर्णय लेती है।

कपिल सिब्बल की आई प्रतिक्रिया

इस मामले पर वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने कहा, कि मुझे इस मामले की पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार का मुद्दा बेहद गंभीर है। अब समय आ गया है कि सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाए। इस पूरे घटनाक्रम को जानकार न्यायपालिका की साख पर गंभीर प्रश्न खड़ा करने वाला बता रहे हैं। अब देखना यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम आगे क्या कदम उठाता है और क्या जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू होती है या नहीं।

सीएम योगी ने कहा, श्री राम मंदिर के लिए सत्ता भी गंवानी पड़ेगी तब कोई समस्या नहीं

लखनऊ। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय एकता के महत्व पर जोर देकर कहा कि भारत तभी विकसित हो सकता है, जब उसके लोग एकजुट हों। श्री अयोध्या धाम में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम-युवा) के अंतर्गत अयोध्या मंडल के उद्यमियों को ऋण वितरण हेतु आयोजित कार्यक्रम योगी ने कहा कि जिसने राम पर लिखा, वह महान हुआ। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में सूर्यवंश की परंपरा में एक अवतार के रूप में मानवीय मर्यादा और आदर्श के सर्वोत्तम स्वरूप प्रभु श्री राम हैं, जिनकी पावन धरा पर आयोजित यह सम्मेलन अदभुत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं अद्भुत इसलिए कहूंगा कि इतने वर्षों तक अयोध्या मौन रही, जबकि यह सत्य है कि जिसने राम पर लिखा वह महान हुआ। उन्होंने कहा कि महर्षि नारद ने महर्षि वाल्मीकि को प्रेरणा दी कि इस धरती पर लिखने के लिए कोई महामानव है, तब वह केवल राम हैं, राम पर लिखने पर आपकी लेखनी धन्य हो जाएगी। योगी ने दो टूक कहा कि श्री राम मंदिर के लिए सत्ता भी गंवानी पड़ेगी तब कोई समस्या नहीं। उन्होंने कहा कि हम सत्ता के लिए नहीं आए हैं। 3 पीढ़ियां राम मंदिर आंदोलन के लिए समर्पित रही हैं। मुख यमंत्री ने कहा कि व्यावहारिक संस्कृति पर दुनिया का पहला महाकाव्य रामायण बना जो साहित्य का आधारभूमि है तथा आप वैदिक संस्कृति से व्यावहारिक संस्कृति में आ गए।

दिल्ली की कमान सौरभ भारद्वाज को, पंजाब की मनीष सिसोदिया , गोपाल राय को गुजरात की जिम्मेदारी

नई दिल्ली । दिल्ली में सत्ता गंवाने के बाद अब आम आदमी पार्टी ने अन्य राज्यों में अपने संगठन का विस्तार करने में जुट गई है। इसके तहत आप संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के घर पर पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की बैठक हुई, जिसमें कई राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन किया गया है। बैठक में फैसला लेकर गोपाल राय की जगह सौरभ भारद्वाज को दिल्ली का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं मनीष सिसोदिया को पंजाब की कमान सौंपी गई है।वहीं पीएसी की बैठक में चार राज्यों के प्रभारी की नियुक्ति हुई है। इसमें सबसे अहम है भारद्वाज को दिल्ली का प्रदेश अध्यक्ष बनाना। जम्मू-कश्मीर से महराज मलिक प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं, पहले दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष रहे गोपाल राय को गुजरात की जिम्मेदारी दी गई है। पंकज गुप्ता को गोवा का प्रभारी बनाया गया है। वहीं संदीप पाठक को छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम रहे मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बनाया गया है, वहीं सत्येंद्र जैन को पंजाब का सह प्रभारी बनाया गया है।

महिला समृद्धि योजना बजट के बाद लागू होगी : दिल्ली भाजपा प्रमुख

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि विधानसभा में बजट पारित होने के बाद दिल्ली में महिलाओं को महिला समृद्धि योजना के तहत वित्तीय सहायता मिलेगी। दिल्ली बीजेपी नेता सचदेवा ने कहा कि यह आम आदमी पार्टी ही है, जो कि मासिक भत्ता देने में विफल होकर दिल्ली और पंजाब में महिलाओं को गुमराह किया है। उन्होंने कहा, अरविंद केजरीवाल अच्छी तरह जानते हैं कि भाजपा सरकार 2025-26 के बजट में महिला समृद्धि योजना को लागू करने के लिए उचित प्रावधान सुनिश्चित करेगी। ऐसा होने पर उनके लिए पंजाब की महिलाओं को और गुमराह करना असंभव हो जाएगा। पिछले महीने दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद से ही आम आदमी पार्टी इस योजना के क्रियान्वयन को लेकर निशाना साधती रही है।

तिरुमाला मंदिर के पास कोई कारोबारी गतिविधि नहीं, मुमताज होटल को दी गई मंजूरी रद्द : नायडू

अमरावती । आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि तिरुमाला मंदिर में केवल हिंदुओं को ही काम पर रखा जाना चाहिए। अगर अन्य धर्मों के लोग वर्तमान में वहां काम कर रहे हैं, तब उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाए बिना उन्हें अन्य स्थानों पर भेज दिया जाए। तिरुमाला की सात पहाड़ियों के पास व्यावसायिक गतिविधियों के बारे में मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि इस क्षेत्र से सटे मुमताज होटल के लिए पहले अनुमति दी गई थी। हालांकि, हमारी सरकार ने अब होटल के लिए मंजूरी रद्द करने का फैसला किया है, इस 35.32 एकड़ जमीन पर बनाने की योजना थी। मुख्यमंत्री नायडू ने दो टूक कहा कि तिरुमाला की सात पहाड़ियों के पास कोई कारोबारी गतिविधि नहीं होनी चाहिए। टेंडर रद्द करने का फैसला पवित्र पहाड़ियों के पास लक्जरी रिसॉर्ट के निर्माण के बढ़ते विरोध के बाद लिया गया, क्योंकि इसकी पवित्रता को लेकर चिंताएं थीं। 12 फरवरी को साधुओं और पुजारियों ने अलीपीरी श्रीवारी पडालू, एक पूजनीय स्थल के पास होटल के निर्माण के खिलाफ भूख हड़ताल की घोषणा की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह तिरुमाला क्षेत्र और श्री वेंकटेश्वर मंदिर की आध्यात्मिक पवित्रता का उल्लंघन करेगा।

राज्यसभा में बोले अमित शाह-

आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद पिछली सरकारों की विरासत थी, इन 10 साल में बहुत कुछ बदला

नई दिल्ली।

बजट सत्र के आठवें दिन शुक्रवार को गृहमंत्री अमित शाह ने गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा के दौरान विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर में उग्रवाद पिछली सरकारों की विरासत थी, लेकिन बीते 10 वर्षों में इसमें बड़ा बदलाव आया है। गृहमंत्री शाह ने कहा कि 2014 से पहले देश में आतंकी घटनाएं चरम पर थीं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 सालों में इन घटनाओं में 70फीसदी तक की कमी आई। उन्होंने दावा किया कि सरकार की कड़ी नीतियों के चलते आतंकियों की कमर टूट चुकी है। गृह मंत्री शाह ने कहा कि 2019 में आर्टिकल 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में बड़ा बदलाव आया। वहां पहली बार जी-20 बैठक सफलतापूर्वक आयोजित हुई और बिना किसी हिंसा के चुनाव कराए गए। उन्होंने कहा कि 33 सालों तक वहां सिनेमाघर बंद रहे, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है।

चश्मा पहने लोगों को विकास नहीं दिखेगा

गृहमंत्री शाह ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग विकास को देखने के लिए तैयार ही नहीं हैं। उन्होंने कहा, हिसाब उन्हें दिया जाता है, जिनकी नजरें साफ होती हैं। जो काला चश्मा पहनकर आंखें मूंद लेते हैं, उन्हें विकास कभी नहीं दिखेगा। शाह ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हमारे कुछ नेता कश्मीर यात्रा पर गए और वहां आतंकवादियों को दूर से देखने का दावा किया। उन्होंने कहा, हम आतंकवादियों को दूर से देखते नहीं, बल्कि उनकी आंखों के बीच में गोली मारते हैं। हमारी सरकार न आतंकवाद को सह सकती है और न ही आतंकवादियों को।

नक्सलवाद और उग्रवाद पर सरकार की सख्ती

गृह मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर में उग्रवाद की घटनाओं में भी भारी कमी आई है। वहीं, नक्सलवाद पर काबू पाने के लिए सुरक्षा बल लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते एक दशक में देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकार ने कई अहम कदम उठाए हैं। अमित शाह ने आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद पर सरकार की सख्त नीतियों को रेखांकित किया और कहा कि बीते 10 वर्षों में देश की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है।

किसानों के मुद्दे पर मुखर हुए बजरंग पूनिया, अपना हक मांग रहे, क्या बुरा कर रहे

नई दिल्ली ।

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान और कांग्रेस नेता बजरंग पूनिया इस बार किसानों के मुद्दे पर मुखर हुए है। किसानों को लेकर पुनिया ने अपनी निराशा व्यक्त की है। पंजाब के शंभू बॉर्डर से कई किसानों को हटाया गया है, इस पर पूनिया दुखी हो गए है। घटना के बाद कांग्रेस नेता पुनिया ने पोस्ट किया है। उन्होंने प्रतिक्रिया देकर कहा कि शंभू और खनौरी बॉर्डर पर बीते 13 माह से किसान आंदोलनरत थे। इस दौरान किसानों पर कई अत्याचार हुए। सरकार ने किसानों को गोली चलवाने से भी परहेज नहीं किया। किसान शुभकरण को गोली तक मारी गई। कांग्रेस नेता पूनिया ने कहा कि किसान जो भी मांग कर रहे हैं, वे उचित है। किसान सिर्फ अपनी मेहनत का उचित मूल्य मांग रहे है। लेकिन सरकार किसानों के साथ मारपीट हो रही है। उनका हौंसला तोड़ने के लिए उन्हें तरह तरह की यातनाएं दी जा रही है। पूनिया का कहना है कि मोदी सरकार धोखे से किसानों के साथ बैठक करती है और फिर उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। धरना स्थल को बुलडोजर से नष्ट किया जाता है। उन्होंने इस कदम की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के दबाव में आकर क्या पंजाब सरकार भी आ गई है। वर्तमान स्थिति भी जल्द ही साफ होगी। किसानों का समर्थन करते हुए पुनिया ने कहा कि किसान झुकेगा नहीं।

कर्नाटक विधानसभा से बीजेपी के 18 विधायक 6 महीने के लिए निलंबित

-हनीट्रैप विवाद और अल्पसंख्यक कोटा को लेकर कर रहे थे हंगामा

बेंगलुरु।

कर्नाटक विधानसभा में हनीट्रैप विवाद और हंगामे के बाद 18 बीजेपी विधायकों को 6 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया। कर्नाटक के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने विधानसभा में यह प्रस्ताव रखा, जिसे बहुमत से पास कर दिया गया।

बीजेपी विधायकों ने हनीट्रैप मामले और अल्पसंख्यकों को 4 फसीदी कोटा के मुद्दे पर सदन में जोरदार हंगामा किया। इस बीच कुछ भाजपा विधायक कागज फाड़ते और उछालते हुए सभापति की कुर्सी को घेरते दिखे, जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई। इसके बाद सरकार ने 18 बीजेपी विधायकों के निलंबन का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने मंजूरी दे दी।

क्या है हनीट्रैप विवाद?

कर्नाटक की राजनीति में इन दिनों हनीट्रैप विवाद सुर्खियों में है। इस मामले में कई नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं, जिससे सियासी बवाल मच गया है। बीजेपी इस मुद्दे पर सरकार को घेर रही थी, लेकिन विधानसभा में हंगामे के बाद सरकार ने विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की।

बीजेपी ने सरकार पर साधा निशाना

बीजेपी ने कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए इस निलंबन को तानाशाही करार दिया। बीजेपी

नेताओं ने कहा कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए यह कदम उठाया गया है। वहीं, कांग्रेस का कहना है कि सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए यह कार्रवाई जरूरी थी।

इस निलंबन के बाद कर्नाटक में बीजेपी और कांग्रेस के बीच सियासी घमासान तेज हो गया है। बीजेपी ने इसे लोकतंत्र के खिलाफ बताया, जबकि कांग्रेस ने इसे अनुशासनहीनता के खिलाफ उठाया गया कदम बता रही है।

गहलोत सरकार के बनाए 34 बोर्ड को भजनलाल सरकार ने नहीं दिया बजट, मंत्री ने बताया फिलहाल चालू नहीं किया जाएगा

जयपुर ।

राजस्थान की भजनलाल सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के आखिरी छह माह में बनाए गए 26 बोर्ड सहित 34 बोर्ड को न कोई बजट दिया है और न ही इसमें अध्यक्ष व मेंबर की नियुक्ति की है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने संकेत दिए हैं कि फिलहाल इन्हें चालू नहीं किया जाएगा। विधानसभा में कांग्रेस विधायक सीएल प्रेमी ने जब इन बोर्ड व आयोगों को चालू करने के बारे में पूछा, तब मंत्री गहलोत ने कहा कि मैं यही कहूंगा कि यह नीतिगत निर्णय है। बीती सरकार ने जिस तरह चुनाव से ठीक छह माह पहले बोर्ड-आयोग का गठन किया, उन पर फैसला सरकार के स्तर पर लंबित है। आने वाले समय में विचार होगा, अभी इस संबंध में कोई निर्णय नहीं किया है।

मंत्री गहलोत ने बताया कि गहलोत सरकार ने 36 नए बोर्ड, आयोग का गठन किया था। वर्तमान में देवनारायण बोर्ड और राज्य एससी और एसटी वित्त विकास निगम में ही अध्यक्ष नियुक्त किया है और बजट का आवंटन हुआ है। बाकी बोर्ड के चालू करने और अध्यक्ष सदस्य बनाने के सवाल पर गहलोत ने बताया कि कुल 43 बोर्ड हैं, इसमें 7 बोर्ड पहले चल रहे थे, पिछली कांग्रेस सरकार ने 36 बोर्ड व आयोग बनाए। भीलवाड़ा जिले के यूपीएससी की तैयारी कर रहे युवक की राजकोट में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला विधानसभा में गूंजा। कांग्रेस विधायक विकास चौधरी ने मामला उठाते हुए कहा कि युवक की बॉडी पर चोट के 42 निशान थे। फिर भी मामले को मर्डर नहीं माना जा रहा। इस मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाएं। डबल इंजन की सरकार में किसान के बेटे को न्याय नहीं मिल रहा यह विडंबना है। इस पूरे मामले की सीबीआई से जांच करवाएं।

जज के आवास पर नकदी मिलने पर धनखड़ का तंज, राजनेता, नौकरशाह या उद्योगपति होता तो चर्चा में आ जाता

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सभापति से जबाव मांगा

नई दिल्ली ।

दिल्ली हाईकोर्ट के एक मौजूदा जज के सरकारी आवास से नकदी की बरामदगी से जुड़ा मामला शुक्रवार को राज्यसभा में उठाया गया। इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मैं इस मुद्दे पर एक व्यवस्थित चर्चा बहस कराने की कोशिश करुंगा। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सत्र में मुद्दा उठाकर न्यायिक जवाबदेही पर सभापति से जवाब मांगा और इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज के खिलाफ महाभियोग के संबंध में लंबित नोटिस के बारे में याद दिलाई। कांग्रेस सांसद रमेश ने कहा कि शुक्रवार सुबह, हम सभी ने दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज के आवास पर भारी मात्रा में नकदी मिलने के चौंकाने वाले मामले के बारे में पढ़ा। उन्होंने बताया कि इसके पहले, 50 सांसदों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक न्यायाधीश द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों के संबंध में सभापति को एक नोटिस सौंपा था। रमेश ने कहा कि सभापति धनखड़ ने खुद बार-बार न्यायिक जवाबदेही के बारे में बात की है। कांग्रेस नेता रमेश ने धनखड़ को याद दिलाया कि उन्होंने मुद्दे पर सदन के नेता को निर्देश दिया था।

उन्होंने कहा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया इस पर कुछ टिप्पणियां करें और न्यायिक जवाबदेही बढ़ाने के लिए प्रस्ताव के साथ आने के लिए केंद्र सरकार को आवश्यक निर्देश दें। नकदी की कथित बरामदगी के मुद्दे पर सभापति धनखड़ ने कहा कि उन्हें जिस बात की चिंता है वह यह है कि घटना हुई लेकिन तत्काल सामने नहीं आई। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी घटना किसी राजनेता, नौकरशाह या उद्योगपति से जुड़ी होती, तब संबंधित व्यक्ति तुरंत निशाना बन जाता।

सभापति ने कहा कि वह सदन के नेता और विपक्ष के नेता से संपर्क कर और सत्र के दौरान व्यवस्थित चर्चा पर विचार करुंगा।

महाभियोग मामले पर सभापति ने कहा कि उन्हें राज्यसभा के 55 सदस्यों से प्रतिवेदन मिला है। उन्होंने कहा कि अधिकांश सदस्यों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, जिससे मुझे अपना कर्तव्य निभाने में मदद मिली। उन्होंने शेष सदस्यों से उन्हें भेजे ई-मेल का जवाब देने की अपील की। धनखड़ ने कहा कि अगर हस्ताक्षर करने वालों की संख्या 50 से ऊपर है, तब उसके अनुसार आगे बढ़ूगा। उन्होंने कहा कि ज्यादातर सदस्यों ने सहयोग किया है।

जिन सदस्यों ने अभी तक अपना जवाब नहीं भेजा है वे कृपया उन्हें भेजे गए दूसरे मेल का जवाब दें। तब मेरे स्तर पर प्रक्रिया में देरी नहीं होगी, यहां तक कि एक पल के लिए भी नहीं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऋषभ हैं सभ्यता और संस्कृति के पुरोधा पुरुष

(लेखक- ललित गर्ग) (भगवान ऋषभदेव जन्म जयन्ती 22 मार्च, 2025 पर विशेष)

ऋषभ ने पुत्रों को मोक्षधर्म का अति सुंदर उपदेश दिया। तदनन्तर ऋषभ अपने बड़े पुत्र भरत को राज्यभार सौंपकर दिगम्बर वेष में वन को चले गये। ऋषभ जब शासक बने, अनूठा थी उनकी शासन-व्यवस्था। क्योंकि उनके लिये सत्ता से ऊंचा समाज एवं मानवता का हित सर्वोपरि था। उन्होंने कानून कायदे बनाए। सुरक्षा की व्यवस्था की। संविधान निर्मित किए। नियमों का अतिक्रमण करने वालों के लिए दण्ड संहिता भी तैयार की। सचमुच वह भी कैसा युग था। न लोग बुरे थे, न विचार बुरे थे और न कर्म बुरे थे। राजा और प्रजा के बीच विश्वास जुड़ा था।

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ यानी भगवान ऋषभदेव विश्व संस्कृति के आदि पुरुष, आदि संस्कृति निर्माता थे। वे प्रथम सम्राट और प्रथम धर्मतीर्थ के आद्य प्रणेता थे। उनकी निर्मल जीवनगाथा हजारों वर्षों से जनजीवन को प्रेरणा प्रदान करती रही है। जैन, बौद्ध और वैदिक परम्परा में ही नहीं, विश्व की अन्य संस्कृतियों में भी उनकी यशोगाथा गायी गई है। भगवान ऋषभदेव ने भारतीय संस्कृति में असि, मसि, कृषि, विद्या, वाणिज्य और शिल्प रूपी जीवनशैली दी, आज हमारा जीवन उसी पर आधारित है। इन छह कर्मों के द्वारा उन्होंने जहां समाज को विकास का मार्ग सुझाया, वहीं अहिंसा, संयम और तप के उपदेश द्वारा समाज की आंतरिक चेतना को जगाया। उनकी जन्म जयन्ती कोरा आयोजनात्मक माध्यम न होकर एक प्रयोजनात्मक उपक्रम है, जिसमें हम भारतीय संस्कृति को दिये उनके योगदान को स्मरण करते हुए अपने जीवन को आदर्श बना सकते हैं। भगवान ऋषभदेव वर्तमान अवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थंकर हैं। तीर्थंकर का अर्थ होता है-जो तीर्थ की रचना करें। जो संसार सागर यानी जन्म मरण के चक्र से मुक्ति दिलाकर मोक्ष प्रदत्त करें। ऋषभदेव को 'आदिनाथ' भी कहा जाता है। वे भगवान विष्णु के अवतार थे। जन-जन की आस्था के केन्द्र तीर्थंकर प्रभु ऋषभदेव का जन्म चैत्र कृष्ण नवमी को अयोध्या में हुआ। उन्होंने मनुष्य जाति को नया जीवन दर्शन दिया। जीने की शैली सिखलाई। वे जानते थे कि नहीं जानना बुरा नहीं मगर गलत जानना, गलत आचरण करना बुरा है। इसलिए उन्होंने सही और गलत को देखने, समझने, परखने की विवेकी आंख दी जिसे सम्यक् दृष्टि कहा जा सकता है। यह वह समय था जब भोगभूमि का काल पूर्ण होकर कर्मभूमि का काल प्रारंभ हो गया था। भोगभूमि में दस कल्पवृक्ष होते थे जो मनुष्य की सभी आवश्यकताओं को पूर्ण करते थे। मनुष्य को कोई काम नहीं करना पड़ता था। धीरे-धीरे काल के प्रभाव से यह कल्पवृक्ष लुप्त होते गए और मनुष्य के सामने भूख प्यास, गर्मी सर्दी और बीमारियों की समस्याएं आने लगी। प्रजा अपने राजा नाभिराय के पास गई और उपाय पूछा तो राजा ने प्रजा को युवराज ऋषभ के पास भेज दिया। युवराज ऋषभ ने संसारी रहते हुए प्रजाजनों को शस्त्र, लेखनी, विद्या, व्यापार, खेती एवं शिल्प इन छह कार्यों को करना सिखलाया। उन्होंने जनता को इन छह कार्य के द्वारा आजीविका पैदा करने के उपदेश दिए। इसीलिए वे युगकर्ता, सृष्टि के पालनहार और सृष्टि के ब्रह्मा कहलाए। इस रचना के द्वारा ऋषभदेव ने प्रजा का पालन किया। इसलिए उन्हें प्रजापति भी कहा गया।

महाराज नाभि के यहां ऋषभ रूपी दिव्य बालक का जन्म हुआ। उसके चरणों में वज्र, अंकुश आदि के चिन्ह जन्म के समय ही दिखाई दिये। बालक के अनुपम सौन्दर्य को जिसने भी देखा वह मोहित हो गया। बालक के जन्म के साथ महाराज नाभि के राज्य में सम्पूर्ण ऐश्वर्य, सुख-शांति एवं वैभवता परिव्याप्त हो गयी। नाभि के राज्य में अतुल ऐश्वर्य को देखकर इन्द्र को ईर्ष्या हुई। उन्होंने इनके राज्य में वर्षा बंद कर दी। भगवान ऋषभदेव ने अपनी योगमाया के प्रभाव से इन्द्र के प्रयत्न को निष्फल कर दिया। इन्द्र ने अपनी भूल के लिए क्षमा माँगी। ऋषभ के सौ पुत्र हुए। उनमें सबसे बड़े पुत्र का नाम भरत था। उसी के नाम पर हमारे देश का नाम भारतवर्ष प्रसिद्ध हुआ। ऋषभ ने पुत्रों को मोक्षधर्म का अति सुंदर उपदेश दिया। तदनन्तर ऋषभ अपने बड़े पुत्र भरत को राज्यभार सौंपकर दिगम्बर वेष में वन को चले गये। ऋषभ जब शासक बने, अनूठा थी उनकी शासन-व्यवस्था। क्योंकि उनके लिये सत्ता से ऊंचा समाज एवं मानवता का हित सर्वोपरि था। उन्होंने कानून कायदे बनाए। सुरक्षा की व्यवस्था की। संविधान निर्मित किए। नियमों का अतिक्रमण करने वालों के लिए दण्ड संहिता भी तैयार की। सचमुच वह भी कैसा युग था। न लोग बुरे थे, न विचार बुरे थे और न कर्म बुरे थे। राजा और प्रजा के बीच विश्वास जुड़ा था। बाद में जब कभी बदलते परिवेश, पर्यावरण, परिस्थिति और वैयक्तिक विकास के कारण व्यवस्था में रुकावट आई, कहीं कुछ गलत हुआ, मनुष्य का मन बदला तो उस गलत कर्म के लिए इतना कह देना ही बड़ा दण्ड माना जाता कि 'हाय! तूने यह क्या किया?' 'ऐसा आगे मत करना', 'धिक्कार है तूने ऐसा किया।' ये हाकार, माकार और धिक्कार नीतियां अपराधों का नियमन करती रहीं। आज की तरह उस समय ऐसा नहीं था कि अपराधों के सच्चे गवाह और सच्चे सबूत मिल जाने के बाद भी अदालत उसे कटघरे में खड़ा कर अपराधी सिद्ध न कर सके। निर्दोष व्यक्ति न्याय पाने के लिए दर-दर भटके और अपराधी धड़ल्ले से शान-शौकत के साथ ऐशो आराम करे।

सत्ता के नाम पर युद्ध तो सदियों में होते रहे हैं मगर ऋषभ के राज वैभव छोड़कर संन्यस्त बन जाने के बाद सिंहासन के लिए भाई-भाई भरत बाहुबली में जो संघर्ष हुआ वह ऐतिहासिक प्रसंग भी आज के संदर्भ में एक सीख है। आज भी सत्ता और स्वार्थ का संघर्ष चलता है। सब लड़ते हैं पर देश के हित में कम, अपने हित में ज्यादा। लेकिन न तो आज ऋषभ के 98 पुत्रों की तरह समस्या के समाधान पाने की जिज्ञासा है कि हम किसको मुख्य मानकर उनसे अंतिम समाधान मांगे और न ही कोई ऐसा ऋषभ है जो अंतहीन समस्याओं के बीच सबको सामयिक संबोध दे। राज्य प्राप्ति के प्रश्न पर जब भरत बाहुबली के बीच अहं और आकांक्षा आ खड़ी हुई तो ऋषभ ने शस्त्र युद्ध को नकारा और आत्मयुद्ध की प्रेरणा दी, क्योंकि स्वयं को जीत लेना ही जीवन की सच्ची जीत है।

भगवान ऋषभदेव को सभ्यता और संस्कृति की विकास यात्रा का प्रणेता माना जाता है, उनका अवतरण आदिम युग का परिष्कारक बना। वे पुरुषार्थ चतुष्टयी के पुरोधा थे। अर्थ और काम संसार की अनिवार्यता है तो धर्म और मोक्ष जीवन के चरम लक्ष्य तक पहुंचाने वाले सही रास्ते। उन्होंने प्रयोगधर्मा ऋषि बनकर जगत् की भूमिका पर जीवन के बिखराव की व्यवस्था दी तो अध्यात्म के परिप्रेक्ष्य में धर्म की जीवंतता प्रस्तुत की। समाज व्यवस्था उनके लिए कर्तव्य थी, इसलिए कर्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिए उसे कभी नकारा नहीं। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। ऋषभ की दण्डनीति और न्यायनीति आज प्रेरणा है उस संवेदनशून्य व्यक्ति के लिए जो अपराधीकरण एवं हिंसक प्रवृत्तियों की चरम सीमा पर खड़ा है। व्यक्तित्व बदलाव का प्रशिक्षण ऋषभ की बुनियादी शिक्षा थी। ऋषभ ने राजनीति का सुरक्षा कवच धर्मनीति को माना। राजनेता के पास शस्त्र है, शक्ति है, सत्ता है, सेना है फिर भी नैतिक बल के अभाव में जीवन मूल्यों के योगक्षेम में वे असफल होते हैं जबकि उन सबके अभाव में संत चेतना के पास अच्छाइयां और आदर्श चले आते हैं, क्योंकि उसके पास धर्म की ताकत, चरित्र की तेजस्विता है।

ऋषभ ने संसार और संन्यास दोनों की जीया। ये पदार्थ छोड़ परमार्थ की यात्रा पर निकल पड़े। उन्होंने कर्मबंध और कर्ममुक्ति का राज प्रकट किया। वे संन्यस्त होकर वर्ष भर भूखे-प्यासे घूमते रहे। प्रतिदिन शुद्ध आहार की गवेषणा करते रहे। यह जानते हुए भी कि भूख और प्यास मेरी कर्मजनित नियति है। यह पुरुषार्थ उनकी सहिष्णुता, समता, संयम और संकल्प की पराकाष्ठा का सबूत था। वर्ष भर के तप की पूर्णाहुति जब राजकुमार श्रेयांस द्वारा दिए गए इक्षु रस के सुपात्र दान से हुई तो वह दिन, वह दान, वह दाता, वह तप अक्षय बन गया। भावशुद्धि की प्रकर्षता का वह क्षण सबके लिए प्रेरणा बन गया और उसे अक्षय तृतीया पर्व के रूप में जैन धर्म के अनुयायी एक वर्ष की तपस्या करके मनाते है।

संपादकीय

खाली हाथ किसान

खेती-किसानी से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर किसानों के एक घटक द्वारा तेरह माह से चलाए जा रहे आंदोलन का बलपूर्वक समापन एक अच्छी स्थिति कदापि नहीं की जा सकती। हालांकि यह भी तय था कि यह आंदोलन अनिश्चितकाल के लिये नहीं चलाया जा सकता था। लेकिन चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति में बात न बनने के बाद पंजाब सरकार की बलपूर्वक की गई कार्रवाई से धरना स्थल को खाली करवाने व किसान नेताओं की गिरफ्तारी से किसानों में रोष स्वाभाविक ही है। निर्विवाद रूप से लंबे समय से खनौरी व शंभू बॉर्डर से जुड़े राजमार्ग के बाधित होने से यात्रियों व कारोबारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। वहीं सरकार ने भी इस आधार पर अपनी कार्रवाई को तार्किक बताया है कि दो प्रमुख राजमार्गों के लंबे समय तक बंद रहने से उद्योग और व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे। निजी वाहनों को भी लंबे रास्तों से सफर तय करने में अधिक समय व पेट्रोल खर्च करना पड़ रहा था। वहीं किसान नेताओं का आरोप है कि उन्हें आंदोलन करने के उनके लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित करने का कदम दमनकारी है। जैसा कि उम्मीद थी, विपक्षी राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर बयानबाजी शुरू कर दी है। लेकिन एक बात तो तय है कि किसान संगठन व सरकारें विभिन्न मुद्दों पर आम सहमति बनाने में सफल नहीं हो पाए हैं। जिसके चलते राज्य सरकार व किसान संगठनों में अविश्वास व टकराव बढ़ा है। विडंबना यह भी है कि किसान संगठनों में मांगों को लेकर खासे मतभेद हैं। यदि सभी संगठन एमएसपी के मुद्दे पर एकजुट होकर केंद्र सरकार पर दबाव बनाते तो शायद कोई सार्थक समाधान निकल पाता। लेकिन इसके विपरीत किसान संगठन आपस में ही उलझते रहे। यही वजह है कि किसान संगठनों के घटते जनसमर्थन को देखते हुए राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया। जबकि केंद्र सरकार भी इस मुद्दे के प्रति गंभीर नजर नहीं आयी। जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकारें किसानों के मुद्दों पर किंतु-परंतु की नीति को त्यागकर समयबद्ध तरीके से कृषि संकट को दूर करने के लिये दृढ़ प्रतिबद्धता से बातचीत करें। विभिन्न मांगों पर लचीला रवैया दोनों पक्षों के लिये लाभकारी साबित हो सकता है। यह समय किसान संगठनों के लिये भी आत्ममंथन करने का है। उन्हें तीन कृषि सुधारों के विरोध में वर्ष 2020-21 में दिल्ली की सीमा पर चले लंबे किसान आंदोलन के खराब संचालन से भी सबक लेना चाहिए। हालांकि, तीन प्रस्तावित कृषि कानून अंततः स्थगित कर दिए गए, लेकिन सैकड़ों किसानों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी। इसके बावजूद फसलों की एमएसपी हेतु कानून बनाने में विफलता ही हाथ लगी। निस्संदेह, लंबे किसान आंदोलन से पंजाब के कारोबार को दांव पर नहीं लगाया जा सकता, लेकिन ध्यान रहे कि कृषि पंजाब की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही है। ऐसे में सभी को साथ लेकर सुलह-सफाई करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत है। यदि ऐसा न होने पर राज्य में अशांति बढ़ती है तो वित्तीय संकट से जूझते पंजाब को और मुश्किलों का सामना करना होगा। सरकार को भी घाटे का सौदा साबित हो रही खेती की दशा सुधारने के लिये स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने की दिशा में सोचना चाहिए।

ग्लेशियर संरक्षण जल संकट का प्रभावी समाधान

(लेखक- ललित गर्ग)

दुनिया के सामने स्वच्छ जल की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। जल प्रदूषण एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल सबसे जरूरी वस्तु है, जल है तो जीवन है। जल ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जल के महत्व एवं उसकी बढ़ती समस्याओं के समाधान की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये ही प्रतिवर्ष विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। यह कोरा एक वार्षिक उत्सवभर नहीं है, बल्कि आन्दोलन है, जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस वैश्विक जल चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाता है, जिसमें स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, स्वच्छता और पानी की कमी शामिल है। इस वर्ष की जल दिवस की थीम है 卐ग्लेशियर संरक्षण卐, जो जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों से दुनिया के जमे हुए जल संसाधनों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर देती है। ग्लेशियरों का पिघलना तेज हो रहा है, जिससे जल चक्र बाधित हो रहा है और अरबों लोगों के लिए जीवन के अस्तित्व से जुड़े जल की सुरक्षा को खतरा है।

विश्व जल दिवस संयुक्त राष्ट्र की एक पहल है जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में स्थापित, यह वैश्विक जल मुद्दों को संबोधित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता की याद दिलाता है, खासकर जब दुनिया भर में 2.2 बिलियन लोगों के पास सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल तक पहुंच नहीं है। आज जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पहले से कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं। अरबों लोगों के लिए पिघले पानी का प्रवाह बदल रहा है, जिससे बाढ़, सूखा, भूस्खलन और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। अनगिनत समुदाय और पारिस्थितिकी तंत्र विनाश के खतरे में हैं। कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक कटौती तथा सिकुड़ते ग्लेशियरों के अनुकूलन के लिए स्थानीय रणनीतियां आवश्यक हैं। इस वर्ष के विश्व जल दिवस अभियान का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए कार्ययोजना के केंद्र में ग्लेशियर संरक्षण को रखने के लिए मिलकर काम करना है। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है। इसमें से लगभग आधे लोगों को साल में कम से कम एक महीने पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। औद्योगिक कचरे की वजह से रोजाना पानी के बड़े स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। पीने के पानी या साधारण पानी की कमी के द्वारा होने वाली संभावित समस्या के बारे में आम लोगों को जानने के लिये जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना चाहिये। जल जीव मंडल में पारिस्थितिकी संतुलन को बनाये रखता है। पीने, नहाने, ऊर्जा उत्पादन, फसलों की सिंचाई, सीवेज के निपटान, उत्पादन प्रक्रिया आदि बहुत उद्देश्यों को पूरा करने के लिये स्वच्छ जल बहुत जरूरी है।

जल जीवन के लिये सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, जिन पाँच तत्वों को जीवन का आधार माना गया है, उनमें से एक तत्व जल है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज पूरी दुनिया जल-संकट के साए में खड़ी है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है। दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये हैं, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश में अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे।

(चिंतन-मनन)

विवेक ही धर्म हैं

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया। समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदाथरे के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव।

इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है। बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं।

जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

विचार मंथन

सच छुपता नहीं है- समय आने पर सच सामने आ ही जाता है

(लेखक- सनत जैन)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेशी दौरों में उनका भव्य स्वागत होता है। 2014 के बाद से यह क्रम शुरू हुआ था। बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग वहां पर बुलाये जाते थे। प्रधानमंत्री के स्वागत में तरह-तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होते थे। भारत के मीडिया में इस तरह की छवि बनाई जाती थी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश में बड़े लोकप्रिय हैं। बड़े पैमाने पर विदेशों में लोग उनका स्वागत कर रहे हैं। 2014 के बाद से विदेशें में जो छबि बनाई जा रही थी। भारतीयों के बीच यह छवि बना दी गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता सारी दुनिया में सबसे ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय मूल के लोगों का समर्थन वहां की सत्ता को मिले। इसका सुनयोजित प्रयास भी किया था। 2024 में अमेरिका में हाउडी मोदी का कार्यक्रम इसी योजना का अंग था। ट्रम्प उस समय मोदी से बड़े प्रभावित हुए थे। मोदी के प्रचार करने के बाद भी वह चुनाव ट्रम्प हार गए थे। हाल ही में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार से पिछले तीन वर्षों में प्रधानमंत्री के विदेशी दोरों पर भारतीय दूतावासों द्वारा किए गए खर्च की जानकारी मांगी गई थी। सरकार ने लिखित जवाब में जानकारी दी है। पिछले तीन वर्षों में प्रधानमंत्री के 38 विदेशी दौरे हुए हैं। इनमें 258 करोड रुपए खर्च किए गए हैं। जून 2023 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका गए थे। उस समय 22.89 करोड़ रुपए भारत सरकार ने अमेरिकी दूतावास में खर्च किये है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह सबसे महंगा दौरा था। जिसमें अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने लगभग 23 करोड रुपए खर्च हुए। 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड, यूक्रेन, रूस, इटली, ब्राज़ील, गुयाना की यात्रा पर गए थे। पिछले तीन वर्षों में भारतीय दूतावासों ने 258 करोड रुपए खर्च करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। यह जानकारी केवल 3 वर्ष की है। 2014 के बाद से भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेशों में जो दौरे हो रहे हैं। उसके बारे में हमेशा यह कहा जाता रहा है, स्वागत सत्कार के लिए दूतावासों के जरिए भारतीय मूल के लोगों को एक जगह पर लाया जाता था। वहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रम कराए जाते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत कराया जाता था। मोदी-मोदी के नारे लगवाए जाते थे। प्रधानमंत्री की विदेशों में लोकप्रियता से जोड़कर इसे भारत में प्रचारित किया जाता था। जिस तरह से अब खबरें निकलकर सामने आ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे में भारतीय दूतावास द्वारा भारतीय मूल के लोगों को एक जगह पर एकत्रित किया जाता था।

उनके कार्यक्रम कराए जाते थे। इसका खर्चा भारतीय दूतावास द्वारा किया जाता था। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में पिछले तीन वर्ष की जानकारी मांगते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत सत्कार लोकप्रियता भारतीय दूतावासों की भूमिका इत्यादि को सामने लाकर सरकार को घेरने का काम किया है।

आने वाले समय में यह मामला और भी तूल पकड़ सकता है। पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि भारत के विश्व गुरु के रूप में बनाई गई है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी से भी ज्यादा लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताया गया है।

यह भी स्थापित करने की समय-समय पर कोशिश की गई। किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री का विदेश में उस तरह का स्वागत सत्कार नहीं हुआ, जिस तरह का स्वागत सत्कार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हुआ है। जो जानकारी राज्यसभा के माध्यम से निकलकर सामने आई है। आगे चलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। बहरहाल यही कहा जा सकता है, सच कभी छुपता नहीं है।

कितना भी छुपाने की कोशिश की जाए समय आने पर सच सामने आ ही जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेशी लोकप्रियता को लेकर जो सच अभी तक छुपा हुआ था, वह सच अब सामने आना शुरू हो गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वॉरेन बफेट अरबपतियों की सूची में छठे स्थान पर

बर्कशायर हैथवे के शेयरों में आई 16 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दुनियाभर के शेयर बाजारों में जारी उतार-चढ़ाव के बीच मशहूर निवेशक वॉरेन बफेट ने इस साल की शुरुआत से अब तक उन्होंने 22.3 अरब डॉलर की कमाई की है, जिससे उनकी कुल संपत्ति 164 अरब डॉलर तक पहुंच गई है।` जिससे वह दुनिया के छठे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। बफेट की यह बढ़त मुख्य रूप से उनकी निवेश कंपनी बर्कशायर हैथवे के शेयरों में आई 16 फीसदी की बढ़ोतरी के कारण हुई है। इस बीच अन्य शीर्ष अरबपतियों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। बर्कशायर हैथवे ने हाल ही में जापानी कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है, जबकि पिछले साल इसने बैंक ऑफ अमेरिका और एप्पल के अरबों डॉलर के शेयर बेच दिए थे। बफेट ने अपने निवेशकों को आश्वस्त किया है कि उनकी कंपनी भविष्य में भी बड़े स्तर पर इक्विटी में निवेश करती रहेगी। उनकी यह रणनीति शेयर बाजार में लंबे समय तक स्थिरता बनाए रखने और अधिक मुनाफा कमाने पर केंद्रित है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार वॉरेन बफेट अब दुनिया के छठे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उनसे ऊपर एलन मस्क, जैफ बेजोस, मार्क जुकरबर्ग, बर्नार्ड अर्नाल्ट और लैरी एलिसन जैसे दिग्गज अरबपति हैं। एलन मस्क अब भी 310 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं, जबकि जैफ बेजोस 217 अरब डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

एयर इंडिया 50 बड़े विमान खरीदने की तैयारी में

नई दिल्ली।

एयर इंडिया अमेरिकी कंपनी बोइंग और यूरोप की एयरबस से करीब 50 बड़े विमान खरीदने पर` विचार कर रही है। सूत्रों के मुताबिक एयर इंडिया 30 से 40 बड़े विमान खरीदने की योजना बना रही है। इनमें एयरबस ए350 और बोइंग 777 एक्स मॉडल शामिल हो सकते हैं। यह संख्या 50 से भी ज्यादा हो सकती है। सूत्रों ने बताया कि अभी बातचीत चल रही है और कुछ भी तय नहीं है। एक सूत्र ने बताया कि पेरिस एयर शो (जून में) के करीब चीजें साफ हो जाएंगी। इसका मतलब है कि जून तक पता चल सकता है कि एयर इंडिया कितने हवाई जहाज खरीदेगी। पिछले साल एयर इंडिया ने 470 विमान खरीदने का समझौता किया था। इसके अलावा कंपनी ने पिछले साल भी एयरबस से 100 विमान खरीदने के लिए डील की थी। इनमें से ज्यादातर छोटे आकार के विमान थे। अब कंपनी की बड़े विमान यानी वाइड-बॉडी एयरक्राफ्ट खरीदने की योजना है ताकि एयर इंडिया इंटरनेशनल मार्केट में अपनी जगह बना सके। टाटा ग्रुप के हाथों में आने के बाद एयर इंडिया में कई बदलाव हो रहे हैं। पहले सरकार के नियंत्रण में एयर इंडिया की हालत खराब थी। लेकिन विमानों की डिलीवरी में देरी होने की वजह से एयर इंडिया की तरक्की में रुकावट आ रही है।

देश में 2028 तक होंगे 77 करोड़ 5जी उपभोक्ता

नई दिल्ली।

देश में साल 2028 तक 5जी उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर करीब 77 करोड़ पहुंच जाएगी। अभी इनकी संख्या 29 करोड़ है। नोकिया की सालाना मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में पूरे भारत में 5जी डाटा के इस्तेमाल में सालाना आधार पर तीन गुना की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। दिसंबर, 2024 में प्रति ग्राहक औसत मासिक 5जी डाटा खपत बढ़कर 40 जीबी पहुंच गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि 4जी और 5जी डाटा की खपत मिलकर पांच साल में 19.5 फीसदी की सालाना वृद्धि दर से बढ़कर 2024 में 27.5 जीबी पहुंच गई। 5जी फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) के निरंतर बढ़ने से डाटा खपत में वृद्धि हो रही है। एफडब्ल्यूए ग्राहक अब औसत यूजर्स की तुलना में 12 गुना अधिक डाटा का उपभोग कर रहे हैं। यह बदलाव आवासीय और व्यावसायिक दोनों ही क्षेत्रों में नई सेवाओं के कारण हो रहा है।

दुनिया के हर इंसान पर 100 रुपये से ज्यादा का कर्ज रिपोर्ट

नई दिल्ली।

दुनिया की 800 अरब की आबादी के हिसाब से हर व्यक्ति पर करीब 104 रुपये का कर्ज है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक, बढ़ती ब्याज दरों के कारण कर्ज लेने वालों के लिए स्थिति मुश्किल हो रही है। सरकारों और कंपनियों को अब अपने निवेश को प्राथमिकता देनी होगी, ताकि उनका कर्ज प्रोडक्टिव साबित हो सके। रिपोर्ट के अनुसार, 2021 से 2024 के बीच ब्याज लागत का सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सा 20 साल के सबसे निचले स्तर से अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

एयर इंडिया 50 बड़े विमान खरीदने की तैयारी में

नई दिल्ली।

एयर इंडिया अमेरिकी कंपनी बोइंग और यूरोप की एयरबस से करीब 50 बड़े विमान खरीदने पर` विचार कर रही है। सूत्रों के मुताबिक एयर इंडिया 30 से 40 बड़े विमान खरीदने की योजना बना रही है। इनमें एयरबस ए350 और बोइंग 777 एक्स मॉडल शामिल हो सकते हैं। यह संख्या 50 से भी ज्यादा हो सकती है। सूत्रों ने बताया कि अभी बातचीत चल रही है और कुछ भी तय नहीं है। एक सूत्र ने बताया कि पेरिस एयर शो (जून में) के करीब चीजें साफ हो जाएंगी। इसका मतलब है कि जून तक पता चल सकता है कि एयर इंडिया कितने हवाई जहाज खरीदेगी। पिछले साल एयर इंडिया ने 470 विमान खरीदने का समझौता किया था। इसके अलावा कंपनी ने पिछले साल भी एयरबस से 100 विमान खरीदने के लिए डील की थी। इनमें से ज्यादातर छोटे आकार के विमान थे। अब कंपनी की बड़े विमान यानी वाइड-बॉडी एयरक्राफ्ट खरीदने की योजना है ताकि एयर इंडिया इंटरनेशनल मार्केट में अपनी जगह बना सके। टाटा ग्रुप के हाथों में आने के बाद एयर इंडिया में कई बदलाव हो रहे हैं। पहले सरकार के नियंत्रण में एयर इंडिया की हालत खराब थी। लेकिन विमानों की डिलीवरी में देरी होने की वजह से एयर इंडिया की तरक्की में रुकावट आ रही है

डिपॉजिट लिमिट 2 लाख से बढ़ाकर 5 लाख की जाए- पेमेंट्स बैंक

नई दिल्ली।

पेमेंट्स बैंकों ने केंद्र सरकार से एक खाते में अधिकतम डिपॉजिट सीमा को 2 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपए करने की मांग की है। यह मांग हाल ही में दिल्ली में वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में की गई। बैठक में शामिल एक सूत्र के मुताबिक बैंकों ने सरकार के सामने यह सुझाव रखा। गौरतलब है कि अप्रैल 2021 में आखिरी बार यह सीमा 1 लाख से बढ़ाकर 2 लाख रुपए की गई थी। इसके अलावा, पेमेंट्स बैंकों ने सरकार से यह भी अनुरोध किया है कि उन्हें माइक्रोफाइनेंस सेक्टर को लोन देने की अनुमति दी जाए। हालांकि, बैंकों ने लोन की अधिकतम सीमा तय करने की बात भी कही है ताकि उनकी आय के स्रोतों में विविधता लाई जा सके। अगर मंजूरी मिलती है तो यह मौजूदा लाइसेंसिंग सिस्टम से हटकर एक बड़ा कदम होगा, जिसमें पेमेंट्स बैंकों को सिर्फ सरकारी सिक्योरिटीज़ में निवेश करने की अनुमति है।

तेल और गैस कंपनियों को विंडफॉल टैक्स से मिलेगी राहत

नए कानून में नहीं लगेगा अप्रत्याशित कर लाभ

नई दिल्ली।

तेल और गैस कंपे नियों को नए कानून के लागू होने के बाद अप्रत्याशित लाभ (विंडफॉल टैक्स) कर जैसे किसी भी नए कर को झेलना नहीं पड़ेगा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा` कि नए विधेयक के पारित होने के बाद इस तरह का कर लगाना के ठिन काम हो जाएगा, क्योंकि कोई न कोई हम पर मुकदमा कर देगा। उन्होंने कहा कि तेल और गैस की खोज और उत्पादन में निवेश करने के इच्छुक निवेशक राजकोषीय स्थिरता चाहते हैं। नए कर, जो दरें कम होने पर कम या शून्य मार्जिन की भरपाई किए बिना, ऊंची कीमतों पर अर्जित लाभ को छीनने का प्रयास करते हैं, अक्सर बाधक होते हैं। भारत ने एक जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ कर लगाया और वह उन देशों की सूची में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं। पिछले दो सप्ताह में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती थी। पिछले साल दिसंबर में 30 महीने बाद इस कर को खत्म कर दिया गया था। पुरी ने कहा कि वैश्विक तेल कंपनियां भारत में निवेश की संभावना तलाश रही हैं। ब्राजील की पेट्रोब्रास अंडमान बेसिन की खोज के लिए ऑयल इंडिया के साथ बातचीत कर रही है। साथ ही ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) गहरे पानी की खोज में सहयोग के लिए एक्सॉनमोबिल और इक्विनोर जैसी बड़ी कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है। नया कानून उन सभी (अंतरराष्ट्रीय तेल कंपनियों) के लिए भारत आने और देखने के लिए स्थितियां बना रहा है। यह विधेयक सरकार के सुधार एजेंडे का हिस्सा है, जिससे कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस को खोजना और उत्पादन करना आसान हो जाएगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई।

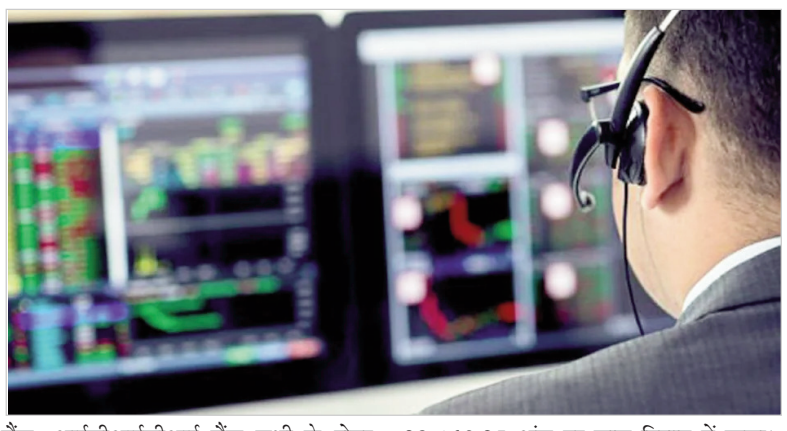

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबार दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आई है। आज सुबह हालांकि बाजार गिरावट के साथ खुला पर इसके कुछ समय बात ही इसमें उछाल आने लगा। सुबह 10 बजे के बाद बाजार ने अच्छी बढ़त बना ली और दिनभर बाजार में बढ़त रही। , दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 0.73 फीसदी करीब 557 अंक ऊपर आकर 76,905 अंक पर बंद हुआ जबकि एनएसई 0.69 फीसदी तकरीबन 160 अंक उछलकर 23,350 पर बंद हुआ।गत दिवस विदेशी निवेशकों ने 3,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की खरीदारी की थी। इसी कारण दुनिया भर से मिले खराब संकेतों के बाद भी बाजार में सकारात्मक माहौल रहा। इससे बड़े और छोटे रिटेल निवेशकों को खरीदारी के लिए प्रेरित किया। यही कारण है कि ब्रॉडर मार्केट ने बेंचमार्क इंडेक्स उछला। मिडकैप 1 फीसदी और स्मॉलकैप 2फीसदी से ज्यादा बढ़ा। निफ्टी बैंक 1 फीसदी से ज्यादा ऊपर आया। बैंक शेयरों की बात करें तो एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक सभी के शेयर उछले इसके अलावा रेलवे, डिफेंस और सरकारी कंपनियों के शेयरों में भी उछाल रहा। आज ज्यादातर सेक्टोरल इंडेक्स में तेजी रही। बीएसई में 2,823 शेयर चढ़े जबकि1,213 शेयर टूटे। वहीं 126 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह अमेरिकी ट्रेड टैरिफ चिंताओं के बीच ही बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स लगभग 200 अंक की गिरावट लेकर 76,155 पर खुला। यह 74.30 अंक की गिरावट लेकर 76,273 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी 23,168.25 अंक पर लाल निशान में खुला। यह 12.10 अंक गिरकर 23,178 पर चल रहा था। वहीं अमेरिकी बाजार गुरुवार को फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों दरों को स्थिर रखने के बाद आई तेजी को बरकरार रखने में विफल रहे। एसएंडपी 500 0.22 फीसदी गिरकर 5,662.89 पर बंद हुआ, नैस्डैक कंपोजिट 0.33 फीसदी गिरकर 17,691.63 पर बंद हुआ और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.03 फीसदी गिरकर 41,953.32 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिलाजुला रुख देखने को मिल रहा है। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 0.27 फीसदी ऊपर रहा।

इरेडा ने 1,247 करोड़ जुटाने लॉन्च किया पहला परपेचुअल बॉन्ड

नई दिल्ली।

सरकारी स्वामित्व वाले रिन्यूएबल एनर्जी फाइनेंशियर, भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) ने घोषणा की कि उसने 1247 करोड़ रुपए जुटाने के लिए पहला परपेचुअल बॉन्ड लॉन्च किया है। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में एजेंसी ने कहा कि बॉन्ड 8.4 फीसदी के वार्षिक कूपन रेट पर जारी किए गए हैं। कंपनी ने इसे अनुकूल बाजार स्थितियों का लाभ उठाते हुए अपने कैपिटल स्ट्रक्चर को अनुकूलित करने की दिशा में बड़ा कदम बताया है।इरेडा ने कहा कि यह ऐतिहासिक पहल मौजूदा सहायक बाजार स्थितियों का लाभ उठाते हुए कंपनी की पूंजी संरचना को अनुकूलित करने की दिशा में बड़ा कदम है। इरेडा के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने कहा कि परपेचुअल बॉन्ड के जरिए कंपनी के पूंजी आधार को मजबूत करने से रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स के लिए फंडिंग बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे भारत के स्वच्छ और अधिक सस्टेनेबल भविष्य की ओर बढ़ने में तेजी आएगी। इरेडा के बोर्ड द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपनी उधार सीमा बढ़ाने का निर्णय लेने के तुरंत बाद परपेचुअल बॉन्ड की शुरुआत की है।कंपनी ने अपनी उधार सीमा 24,200 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 29,200 करोड़ कर दी है।

अतिरिक्त धनराशि अलग-अलग वित्तीय साधनों के जरिए जुटाई जाएगी, इसमें टैक्सेबल बॉन्ड, परपेचुअल डेट इंस्ट्रूमेंट्स, बैंक लोन, इंटरनेशनल क्रेडिट लाइन्स, एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग और शॉर्ट-टर्म लोन शामिल हैं। इरेडा ने यह भी घोषणा की कि उसे 19 मार्च को आयकर विभाग से 24.48 करोड़ रुपए का टैक्स रिफंड मिला है।

यह रिफंड आयकर आयुक्त द्वारा असेसमेंट ईयर 2011-12 के लिए दी गई आंशिक राहत से जुड़ा है।कंपनी ने कहा कि उसे 2010-11, 2012-13, 2013-14 और 2015-16 से 2018-19 सहित कई असेसमेंट साल के लिए करीब 195 करोड़ रुपए के टैक्स रिफंड का इंतजार है। इस घोषणा के बाद 20 मार्च को शुरुआती कारोबार के दौरान कंपनी के शेयरों में मामूली बढ़त दर्ज की। हालांकि यह बढ़त ज्यादा देर तक नहीं चल सकी क्योंकि बाद में शेयर 150.23 रुपए पर स्थिर कारोबार कर रहे थे।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने लॉन्च किया नया ईटीएफ

- ईवी कंपनियों में 1,000 रुपए से शुरू कर सकते हैं निवेश

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फंड ने शुक्रवार को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल निफ्टी ईवी और न्यू एज ऑटोमोटिव ईटीएफ का शुभारंभ कर दिया है। यह एक ओपन एंडेड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड है जो``` निफ्टी ईवी एंड न्यू एज ऑटोमो टिव इंडेक्स को ट्रैक करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस नए फंड के जरिए निवेशक ईवी सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। संबंधित घोषणा में इस एफएफओ के लॉन्च के साथ, यह बताया गया है कि निवेशक 2 अप्रैल 2025 तक इस न्यू फंड ऑफर में पैसा लगा सकते हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल के इस एनएफओ में निवेशक मिनिमम 1,000 रुपए से शुरुआत कर सकते हैं, और उसके बाद 1 रुपये के मल्टीपल में निवेश कर सकते हैं। इस नए फंड में निवेश करने के लिए कोई लॉक इन पीरियड नहीं है और एग्जिट लोड भी शून्य है। निवेशकों को इस बात की भी जानकारी दी गई कि फंड के यूनिट्स की बिक्री पर ब्रोकरेज लागू होगा। फंड हाउस के मुताबिक, इस स्कीम के अंतर्गत कुल एसेट का 95 से 100 फीसदी हिस्सा` निफ्टी ईवी एंड न्यू एज ऑटोमो टिक इंडेक्स में शामिल कंपनियों की इक्विटी और उनके संबंधित सिक्योरिटीज में निवेश किया जाएगा। इसके साथ, शेष 0 से 5 फीसदपी तक का आवंटन मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में किया जा सकता है।

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च की छोटी

छोटी एसआईपी - सपनों को साकार करने का छोटा सा तरीका :

मुंबई/इन्दौर।

कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (÷चिह्नित÷ / ÷कोटक म्यूचुअल फंड÷) ने आज ÷छोटी सिप (स्ढुक्क या एसआईपी)÷ सुविधा लॉन्च करने की घोषणा की है। छोटी सिप कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड की सभी पात्र योजनाओं के लिए उपलब्ध होगी। हाल ही में सेबी और एएमएफआई ने छोटी सिप (स्मॉल टिकट एसआईपी) की शुरुआत की, जिससे भारत के और अधिक लोगों को धन सृजन की यात्रा में शामिल होने का बेहतरीन अवसर मिलेगा।

कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर निलेश शाह ने कहा, भारत की कुल आबादी में से केवल 5.4 करोड़ यूनिक इन्वेस्टर ही म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, जिससे देश में म्यूचुअल फंड के व्यापक विस्तार की बड़ी संभावना है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) नए निवेशकों को जोड़ने और उनकी म्यूचुअल फंड यात्रा शुरू करने का एक शानदार तरीका रहा है। छोटी सिप के लॉन्च के साथ, कोई भी नया निवेशक केवल ₹250 की न्यूनतम राशि से अपनी संपत्ति निर्माण की यात्रा शुरू कर सकता है। इसे हम कह सकते हैं - 'छोटी रकम, बड़ा कदम।'

यह पहल नए निवेशकों को 250 रुपये की न्यूनतम राशि के साथ सिप के माध्यम से निवेश करने में सक्षम बनाती है। छोटी सिप (छोटा सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के पीछे का उद्देश्य इस क्षेत्र में प्रवेश में आने वाली बाधाओं को कम करके, विशेष रूप से पहली बार निवेश करने वाले लोगों के लिए म्यूचुअल फंड निवेश को अधिक सुलभ बनाना है। निवेशक ने पहले उद्योग स्तर पर म्यूचुअल फंड (एसआईपी या एकमुश्त) में निवेश नहीं किया होगा। निवेशक को ग्रोथ ऑप्शन में निवेश करना चाहिए और मासिक आधार पर कम से कम 60 किस्तों के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। किस्तों का भुगतान केवल एनएसीएच (नैश) या यूपीआई ऑटो-पे के माध्यम से करना चाहिए।

यदि निवेशकों को संदेह है कि योजना उनके लिए उपयुक्त है या नहीं, तो उन्हें अपने वित्तीय विशेषज्ञों और कर सलाहकारों से परामर्श करना चाहिए। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (केएमएएमसी) किसी भी रिटर्न/भविष्य के रिटर्न की गारंटी या वादा नहीं करता है।

अडानी ग्रुप का केबल और वायर सेक्टर में एंट्री का ऐलान, कंपनियों में हड़कंप

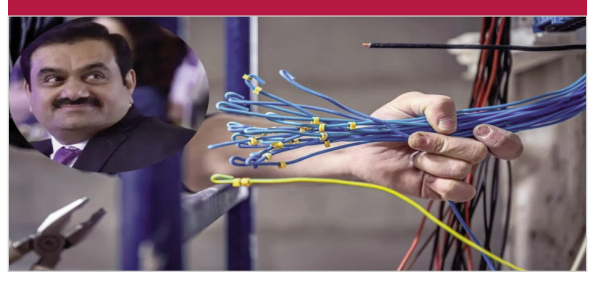

केईआई इंडस्ट्रीज, पॉलीकैब और हैवेल्स के शेयरों में आई भारी गिरावट

मुंबई। अडानी ग्रुप अब नए बिजनेस में उतरने की तैयारी कर रहा है, इस खबर को सुनकर देश में मौजूद कई कंपनियां सकते में हैं। देश में केबल और वायर निर्माता कंपनियों केईआई इंडस्ट्रीज, पॉलीकैब और हैवेल्स के शेयरों में भारी गिरावट आ गई है, क्योंकि अडानी ग्रुप ने इस सेक्टर में काम शुरू करने का ऐलान किया है। अडानी ग्रुप ने एक नए ज्वाइंट वेंचर 'प्रणीता इकोकेबल्स' बनाकर इस वायर और केबल इंडस्ट्री में काम की शुरुआत करने जा रहा है।

एक कार्यक्रम में अडानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी कच्छ कॉपर ने एक ज्वाइंट वेंचर कंपनी 'प्रणीता इकोकेबल्स लिमिटेड' का निगमन पूरा कर लिया है। कच्छ कॉपर और प्रणीता वेंचर्स दोनों के पास नवगठित कंपनी में 50 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी होगी। भारत के केबल और वायर मार्केट का साइज 2024 में 9.32 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान था और 2025 में इसके 10.01 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2032 तक 17.08 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में अडानी ग्रुप की इस सेक्टर में एंट्री से मार्केट शेयर बंट सकता है।

अडानी ग्रुप के केबल और वायर इंडस्ट्री में उतरने के ऐलान से इस सेक्टर की अहम कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई है, क्योंकि अब मार्केट में अडानी जैसा एक और बड़ा प्लेयर आ गया है। इससे पहले अल्ट्राटेक ग्रुप ने भी वायर और केबल इंडस्ट्री में एंट्री का ऐलान किया था। आज हैवेल्स, पॉलीकैब और केईआई इंडस्ट्री के शेयरों में भारत गिरावट देखने को मिली। पॉलीकैब के शेयर 8 फीसदी, हैवेल्स के शेयर 5 फीसदी तो केईआई इंडस्ट्री के शेयर 12 फीसदी टूटे।

व्यवसाय के लिए उपयोग होने वाले ड्रोन पर लग सकती है 5 फीसदी

इस समय ड्रोन पर जीएसटी दर उनके वर्गीकरण के हिसाब से अलग-अलग है

नई दिल्ली।

जीएसटी काउंसिल अपनी अगली बैइक में कारोबार के लिए उपयोग होने वाले सभी तरह के ड्रोन पर समान रूप से 5 प्रतिशत जीएसटी लगाने का फैसला कर सकती है। सूत्रों के अनुसार यह फैसला ड्रोन के अलग-अलग वर्गीकरण को लेकर हो रहे भ्रम को दूर करने और उद्योग को स्पष्टता देने के लिए उठाया जा रहा है। बाजार के जानकारों के मुताबिक यह फैसला भारत के तेजी से बढ़ते ड्रोन उद्योग के लिए बड़ी राहत बन सकता है।

फिलहाल देश में लगभग 488 ड्रोन कंपनियां काम कर रही हैं, जिन्होंने अब तक करीब 518 मिलियन डॉलर का निवेश हासिल किया है। इस समय ड्रोन पर जीएसटी दर उनके वर्गीकरण के हिसाब से अलग-अलग है। कारोबार के लिए उपयोग होने वाले ड्रोन अगर एचएसएन कोड 8806 के तहत 'एयरक्राफ्ट' के रूप में आते हैं तो उन पर 5 फीसदी जीएसटी लगता है। वहीं अगर ड्रोन में कैमरा जुड़ा हो और उसे एचएसएन 8525 के तहत 'डिजिटल कैमरा' माना जाए, तो उस पर 18 फीसदी जीएसटी लगती है। इसके अलावा, व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए खरीदे गए ड्रोन पर एचएसएन 8806 के तहत 28 फीसदी तक जीएसटी लगती है। सरकार ने हाल के समय में ड्रोन को बढ़ावा देने के लिए कई जरूरी कदम उठाए हैं। कृषि, लॉजिस्टिक्स, पब्लिक सेफ्टी और कंस्ट्रक्शन जैसे क्षेत्रों में ड्रोन के इस्तेमाल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, 'ग्रीन ज़ोन' में 400 फीट तक की ऊंचाई पर ड्रोन उड़ाने के लिए अब अनुमति की जरूरत नहीं है। इसके अलावा, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 2023 में ड्रोन नियमों में संशोधन कर 'येलो ज़ोन' की परिभाषा को सरल किया और माइक्रो व नैनो ड्रोन के नॉन-कमर्शियल इस्तेमाल के लिए भी छूट दी। सरकार ने 'नमो ड्रोन दीदी' योजना भी शुरू की है, जिसका मकसद महिलाओं के स्व-सहायता समूहों को कृषि सेवाओं के लिए ड्रोन इस्तेमाल करने में सक्षम बनाना है।

चेन्नई प्लांट का इस्तेमाल फोर्ड इंजन और पार्ट्स के निर्यात के लिए करेगा

नई दिल्ली।

अमेरिकी कंपनी फोर्ड अपने चेन्नई स्थित प्लांट का इस्तेमाल इंजन और ऑटोमोबाइल पार्ट्स के निर्माण और निर्यात के लिए करेगी। जानकारी के मुताबिक, फोर्ड ने इस योजना को अंतिम रूप दे दिया है और इसका आधिकारिक ऐलान 2025 की दूसरी तिमाही में किया जाएगा। फोर्ड ने सितंबर 2021 में भारत में अपना कारोबार बंद कर दिया था। इसके बाद से ही चेन्नई के मराईमलाई स्थित प्लांट 2022 से बंद पड़ा है। हाल ही में इस प्लांट को फिर से शुरू करने की चर्चा जोरों पर थी, लेकिन अटकलें लगाई जा रही थीं कि अमेरिका में ट्रम्प सरकार की संभावित नीतियों और भारत में इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने की योजनाओं के कारण फोर्ड अपनी भारत वापसी की योजना रद्द कर सकता है। हालांकि, भारतीय सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि कंपनी की योजना अभी भी लागू होगी। फोर्ड ने 1995 में भारत में अपने ऑपरेशंस शुरू किए थे और एक समय पर उसके चेन्नई प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2 लाख वाहनों की थी, जबकि साणंद प्लांट में 2.4 लाख वाहनों और 2.7 लाख इंजनों का निर्माण किया जाता था। चेन्नई प्लांट में इकोस्पोर्ट और एंडेवर जैसी एसयूवी बनाई जाती थीं, जबकि साणंद प्लांट में एस्पायर और फिगो फ्रीस्टाइल का निर्माण होता था। अब फोर्ड अपनी भारत में मौजूद सुविधाओं का उपयोग नए तरीके से करेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आइपीएल के पहले मैच में आज आमने-सामने होंगे केकेआर -आसीबी

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 सत्र का पहला मुकाबला गत विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और उपविजेता रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बीच शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा। इस बार दोनो ही टीमें नये कप्तानों के साथ उतरेंगी। केकेआर की कप्तानी जहां आजिंक्य रहाणे करेंगे, वहीं आरसीबी की कमान रजत पाटीदार संभालेंगे। पिछले साल केकेआर ने जबरदस्त प्रदर्शन कर ट्रॉफी जीती थी। जिसे अब वह बरकरार रखना चाहेगी।

दोनों ही टीमों के रिकॉर्ड को देखें तो केकेआर इस मैच में आरसीबी पर भारी पड़ती दिख रही है। इसका कारण है कि केकेआर अपने घरेलू मैदान पर ये मुकाबला खेल रही है जिसका लाभ उसे मिलेगा। रहाणे की कप्तानी वाली केकेआर काफी संतुलित है पर इसके बाद भी उसके लिए जीतना इतना भी आसान नहीं होगा क्योंकि आरसीबी काफी मजबूत टीम है। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभवी बल्लेबाजी है। पिछले साल केकेआर के लिए खेलने वाले फिल सॉल्ट भी इस बार आरसीसी से खेल रहे हैं और वह केकेआर की रणनीति अच्छी तरह से जानते हैं।

इसके अलावा आज तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पायी आरसीबी इस बार कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेगी। आरसीबी को इस बार अपना सपना पूरा करने के लिए पहले ही मैच से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वहीं अंतिम ग्यारह की बात करें तो विराट के साथ साल्ट पारी शुरु कर सकते हैं। वहीं देवदत्त पडिक्कल नंबर तीन पर जबकि पाटीदार नंबर चार पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। टीम जितेश शर्मा, ऋणाल पांड्या और भुवनेश्वर कुमार को भी अंतिम ग्याहर में शामिल कर सकती है। टीम को हालांकि अनुभवी बल्लेबाज फॉफ डूप्लेसी और ग्लेन मैक्सवेल की कमी खलेगी।

रहाणे के लिए इसलिए भी परेशानी है क्योंकि इस बार कोच के तौर पर टीम के पास गौतम गंभीर नहीं हैं। साल्ट के नहीं होने से टीम पारी की शुरुआत सुनील नरेन और क्विंटन डी कॉक से करा सकती है। रहाणे नंबर तीन पर बैटिंग के लिए आ सकते हैं। वेंकटेश अय्यर और रिंकू सिंह की के अलावा टीम को आंद्रे रसेल और रमनदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। टीम के लिए मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतर पैदा कर सकते हैं। उनके अलावा टीम के पास नरेन जैस स्पिनर भी है जो विरोधी पारी को ध्वस्त करने में सक्षम है। वहीं दूसरी ओर आरसीबी के पास विराट , रजत और देवतत्त जैसे बल्लेबाज हैं। पारी की शुरुआत के लिए उसके पास साल्ट जैसा आक्राम बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी की बात करें तो उसके पास जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार जैसे गेंदबाज हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर और आसीबी के बीच अभी तक कुल 34 मैच खेले गए हैं। इसमें से 20 मैचों में केकेआर जीती है जबकि 14 में आरसीबी को जीत मिली है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), सुनील नरेन, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, स्पेंसर जॉनसन, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा/वरुण चक्रवर्ती

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर : रजत पाटीदार (कप्तान),फिलिप साल्ट, विराट कोहली , देवदत्त पडिक्कल, लियाम लिविंगस्टन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, सुयश शर्मा/रसिक डार सलाम

ऋषभ चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करें : रैना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने आईपीएल से ठीक लखनऊ सुपर जायंट्स के नये कप्तान ऋषभ पंत को सलाह दी है कि वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करें। रैना का मानना है कि इससे ऋषभ को बेहतर तरीके से पारी समाप्त करने का अवसर मिलेगा। रैना ने कहा कि मुझे लगता है कि यह सत्र ऋषभ के लिए काफी अहम होगा। इसमें बेहतर प्रदर्शन कर वह छोटे प्रारुप के लिए भी भारतीय टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर अपनी दावेदारी मजबूत करना चाहेंगे। रैना ने कहा कि अगर आप उनकी कप्तानी देखेंगे, तो वह काफी खुशमिजाज और काफी इनोवेटिव हैं। उनमें वह शांति और चतुर नेतृत्व क्षमता जो कप्तानी के लिए जरुरी है। मैं वास्तव में चाहता हूं कि वह तीसरे नंबर पर खेलें। लेकिन उनकी टीम को देखें, उनके पास निकोलस पूरन, डेविड मिलर और एडेन मार्करम हैं जैसे बल्लेबाज है। ऐसे में मुझे लगता है कि वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे, क्योंकि तब उनकी बल्लेबाजी लाइन-अप में काफी गहराई होगी। मैं वास्तव में चाहता हूं कि वह चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करें, क्योंकि तब शायद वह टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभा सकेंगे।

इस क्रिकेटर को पिछले साल की मेगा नीलामी में लखनऊ ने रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए में खरीदा था। इससे वह आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने पहले 43 मैचों में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी की थी। रैना को यह भी लगता है कि उनके लिए राह आसान नहीं है। टीम के तेज गेंदबाज मयंक यादव, अवेश खान, आकाश दीप और मोहसिन खान अभी तक फिट नहीं हुए हैं। पास हालांकि रवि बिश्नोई जैसा अच्छा स्पिनर है।

सचिन सहित पूर्व क्रिकेटरों को पेंशन दे रही बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) खेल से संन्यास लेने वाले खिलाड़ियों की देखभाल और उनके योगदान के प्रति सम्मान देने के लिए खिलाड़ियों को पेंशन भी देती है। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर सहित सभी खिलाड़ियों को ये पेंशन दी जाती है। ये पेंशन खिलाड़ियों द्वारा खेले गए टेस्ट मैचों की संख्या पर भी निर्भर करती है। यानी, जितने अधिक टेस्ट मैच खेले गए होंगे, पेंशन उतनी ही ज्यादा होगी। यह योजना क्रिकेटरों की लंबी सेवा और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए लागू की गई है।

सचिन को बीसीसीआई की ओर से हर महीने 70,000 रुपये की पेंशन दी जाती है। यह राशि उनकी क्रिकेट यात्रा और उनकी उपलब्धियों को देखते हुए तय की गई है। सचिन के अलावा कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों को भी बीसीसीआई की ओर से पेंशन दी जाती है। जैसे कि युवराज सिंह को हर महीने 60,000 रुपये की पेंशन मिलती है, जबकि पूर्व भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली को हर महीने 52 हजार की राशि मिलती है। यह पेंशन योजना उन खिलाड़ियों के लिए एक सम्मान के रूप में देखी जाती है, जिन्होंने अपने करियर में भारत के लिए खेलते हुए अहम योगदान दिया है। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी बीसीसीआई अपने पूर्व खिलाड़ियों की आर्थिक सुरक्षा तय करने के लिए जारी रखे हुए हैं। इसका कारण है कि कई पूर्व क्रिकेटर आर्थिक तौर पर सक्षम नहीं है। बीसीसीआई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के अलावा रणजी खेलने वाले क्रिकेटरों को भी ये सुविधा देता है।

आईपीएल मुकाबले यहां देखे जा सकेंगे, कई नये रिकार्ड बनने की संभावना

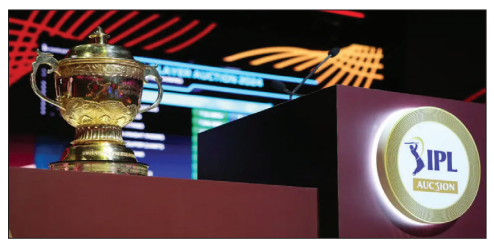

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 18 वां सत्र शनिवार से शुरु हो रहा है। इसमें शुरुआती मुकाबला गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और उपविजेता रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच खेला जाएगा। दोनो ही टीमों इस मैच में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करने उतरेंगी। प्रशंसक भी पिछले काफी समय से आईपीएल का इंतजार कर रहे हैं। वे इसे देश में स्टार स्पोर्ट्स पर देख सकेंगे। इन मुकाबलों की कमेंट्री हिंदी और अंग्रेजी के अलावा स्टार स्पोर्ट्स चैनल पर कई क्षेत्रीय भाषाओं में भी होगी। वहीं डिजिटल स्ट्रीमिंग की बात करें तो जियोहॉटस्टार पर इन मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग देखी जा सकती है। आईपीएल 2025 के ये मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजकर 30 मिनट पर शुरू होंगे जबकि डबल हेडर (एक ही दिन में दो मैच) जिस देन होंगे। उस दिन दूसरा मैच दोपहर 3 बजकर 30 मिनट पर शुरु होगा।

आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च, 2023 को होगी और इसका खिताबी मुकाबला 25 मई, 2025 को खेला जाएगा। इस सत्र में 10 टीमों के बीच 13 जगहों पर 74 मैच होंगे। अहम बात ये है कि कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरुआती मैच के अलावा फाइनल भी होगा। आईपीएल 2025 का उद्घाटन समारोह 22 मार्च यानी शनिवार को शाम 6 बजे से शुरु होगा। इसमें श्रेया घोषाल, दिशा पाटनी जैसी मशहूर बॉलीवुड हस्तियां अपना कार्यक्रम पेश करेंगी। उद्घाटन समारोह का प्रसारण भी टीवी पर स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए देखा जा सकता है।

आईपीएल में हर सत्र में नये रिकार्ड बनते हैं। इस बार भी ऐसा ही होने की संभावना है। अभी तक इस लीग में सबसे बड़े स्कोर का रिकार्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम है। साल 2013 सत्र में गेल ने 66 गेंदों पर ही नाबाद 175 रन बनाये थे। वहीं इससे पहले साल 2008 में बैंडन मैकुलम ने 73 गेंदों पर नाबाद 158 रन बनाए थे, ये इस लीग का दूसरा सबसे अधिक व्यक्तिगत स्कोर है। भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो 2020 के सीजन में केएल राहुल ने 69 गेंदों पर 132 रनों की नाबाद पारी खेली थी, जो आईपीएल में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वाधिक स्कोर है। गेंदबाजी में अब तक स्पिनर युजवेंद्र चहल ने आईपीएल में सबसे ज्यादा 205 विकेट लिए हैं। इस बार आईपीएल 2025 में भुवनेश्वर कुमार 181 विकेट, सुनील नरेन 180 विकेट और रविचंद्रन अश्विन 180 विकेट के पास 200 विकेटों का आंकड़ा हासिल करने का अच्छा अवसर है।

बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 पैनल में नये अंपायरों को अवसर दिया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल के नए सत्र के लिए अंपायरिंग पैनल घोषित कर दिया है। इस बार बोर्ड ने सात नए अंपायरों को स्वरूपानंद कन्नूर, अभिजीत भट्टाचार्य, पाराशर जोशी, अनीश सहस्रबुद्धे, केयुर केलकर, कौशिक गांधी और अभिजीत बेंगरी को अवसर दिया है।

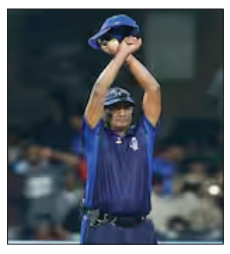

वहीं अनुभवी अंपायर एस रवि और सीके नंदन मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे। आईपीएल का पहला मैच कोलकाता के ईडन गार्डंस स्टेडियम में केकेआर और आरसीबी के बीच होगा। बीसीसीआई ने नए अंपायरों को अवसर इसलिए दिया है जिससे कि उन्हें दवाब वाले मैचों का अनुभव मिले। अंपायरों में शामिल कौशिक गांधी तमिलनाडु के पूर्व क्रिकेटर हैं। कौशिक ने 34 फर्स्ट क्लास मैच भी खेले हैं। अंपायर के तौर पर ये उनका यह दूसरा ही सत्र है। अभी तक कौशिक ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों और महिला प्रीमियर लीग में अंपायरिंग की है। अंतर्राष्ट्रीय अंपायरों में इस बार श्रीलंका के कुमार धर्मसेना आईपीएल नजर नहीं आएंगे। इसके अलावा आईपीएल 2024 में अंपायरिंग करने वाले अनिल चौधरी भी इस बार नहीं दिखेंगे।

आईपीएल में इस बार ओपनिंग करना चाहते हैं नरेन

मुम्बई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्टार खिलाड़ी सुनील नरेन ने कहा है कि वह इस सत्र में पारी की शुरुआत करना चाहते हैं। नरेन टीम में गेंदबाज के तौर पर काफी पहले से जुड़े थे पर वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी को लेकर भी चर्चाओं में रहते हैं। रहस्यमी गेंदबाज के तौर पर चर्चित नरेन ने कई आक्रामक पारियां भी खेली हैं। गौतम गंभीर के कोच रहते नरेन लगातार पारी शुरु करते रहे हैं। आईपीएल में सुनील नरेन ने बतौर ओपनर 180 की स्ट्राइक रेट से 488 रन बनाए हैं। नरेन ने संकेत दिए कि वह इस सत्र में पारी शुरु करना चाहेंगे। आईपीएल 2024 तक नरेन टीम के लिए पिंच हिटर की भूमिका निभाते रहे हैं पर गंभीर के कार्यकाल में नरेन ने फिल सॉल्ट के साथ कई यादगार पारियां खेली हैं। नरेन ने कहा कि मैं अपनी टीम की जरूरत और हालात के मुताबिक खेलने को तैयार हूं पर मुझे बतौर ओपनर के तौर पर खेलना काफी पसंद है। बतौर ओपनर 2024 में नरेन ने 56 गेंदों पर 109 रन की पारी खेली। .नरेन ने कहा कि वह टीम की जरूरत के अनुसार उतरेंगे पर इस बात में कोई दो राय नहीं कि मुझे पारी शुरु करना पसंद है। खासकर, पिछला साल मेरे लिए बतौर ओपनर अच्छा रहा, लेकिन मैं अपनी टीम की जरूरतों के हिसाब से बल्लेबाजी क्रम बदलने को तैयार हूं। नरेन लंबे समय से केकेआर का हिस्सा हैं। अब तक कोलकाता नाइट राइडर्स ने 3 बार टाइटल अपने नाम किया है. कोलकाता नाइट राइडर्स की सफलता में नरेन का बड़ा योगदान माना जाता है। वह आईपीएल इतिहास के एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्हें तीन बार प्लेयर ऑफ द सीजन का खिताब मिला है। उनकी यह सफलता उनकी अद्भुत गेंदबाजी और शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन को साबित करती है।

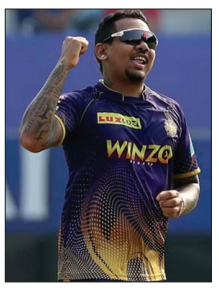

फेजर को आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करना होगा : गिलक्रिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर एडम गिलक्रिस्ट ने आईपीएल में दिल्ली कैपिल्स की ओर से खेलने वाले युवा बल्लेबाज जैक फ्रेजर मैक्गर्क से कहा है कि उन्हें टीम में बने रहने बेहतर प्रदर्शन करना होगा। गिलक्रिस्ट ने कहा कि अगर फ्रेजर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो वह अधिक दिन आईपीएल नहीं खेल पायेंगे। इस युवा क्रिकेटर ने पिछले साल आईपीएल में डेब्यू किया था और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया पर इस बार ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट में बल्ले से रन नहीं निकल रहे हैं। गिलक्रिस्ट ने बड़े ही स्पष्ट शब्दों में कहा है कि आईपीएल यह बर्दाश्त नहीं करता कि आप परिणाम नहीं दे रहे हैं।

गिलक्रिस्ट ने कहा कि दिल्ली ने फ्रेजर मैक्गर्क के ऊपर बहुत भरोसा जताया है। इसलिए यह बहुत अहम हो जाता है कि वह

अग टीम को अच्छी शुरुआत दें। पूर्व ऑस्ट्रेलियन विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कहाकि जहां तक मैं जानता हूं आईपीएल में मालिक और कोच इतना मेहरबान नहीं होते। अगर आप बहुत लंबे समय तक असफल रहते हैं तो आपको सहन नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि हालिया खराब फॉर्म के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने फ्रेजर-मैक्गर्क पर भरोसा जताया है। ऐसी उम्मीद है कि वह फाफ डू प्लेसिस के साथ टीम के लिए पारी की शुरुआत करेंगे।

गिलक्रिस्ट ने कहा कि अरुण जेटली स्टेडियम की बल्लेबाजों के अनुकूल पिच मैक्गर्क के लिए सहायक हो सकती है। पिछले साल उन्होंने जिन पिचों पर बल्लेबाजी की थी वो बल्लेबाजी पिचें थीं। इस बार भी हालात वैसे ही रहेंगे। अब उनके पास अवसर है कि वह किस तरह का प्रदर्शन करते हैं। गौरतलब है कि इस आक्रामक बल्लेबाज को शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की टीम में सीमित मौके मिले हैं। ऐसे में उनका फर्स्ट क्लास करियर भी बहुत आगे नहीं बढ़ पाया है।

वहीं पिछले आईपीएल सत्र की बात करें तो फ्रेजर ने अच्छी बल्लेबाजी की थी। उन्हें विकल्प के तौर पर शामिल किया गया था। इस बल्लेबाज ने अवसर का फायदा उठाते हुए नौ पारियों में 234.04 की स्ट्राइक रेट से 330 रन बनाए थे। हालांकि आईपीएल 2024 के बाद टी20 में उनके आंकड़े उतने प्रभावी नहीं रह गए।

आईपीएल में इस बार नजर आयेंगे ये बदलाव

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 18 वां सत्र शनिवार से शुरु हो जाएगा। इसमें कई बदलाव भी दिखेंगे। जहां गेंदबाज गेंद पर लार लगा सकेंगे, वही दूसरी पारी में नई गेंद का इस्तेमाल और वाइड गेंदों के लिए हॉक आई का इस्तेमाल भी किया जा सकेगा। वाइड गेंद के लिए हॉक आई टेक्नीक का प्रयोग होगा। इसका इस्तेमाल करके अंपायर खिलाड़ी के ऊपर से जाने वाली गेंद और ऑफ स्टंप के बाहर जाने वाली गेंद के बारे में फैसला कर सकेंगे। वहीं लार पर लगे प्रतिबंध के हटने के बाद अब गेंदबाज लार लगाकर गेंद को चकमा सकेंगे। दूसरी पारी में दूसरी नई गेंदआईपीएल के कई मैचों में ओस एक अहम भूमिका निभाती है। इसके चलते कई बार दूसरी पारी में गेंदबाजी करने वाली टीम को नुकसान उठाना पड़ता है। गेंद ओस से गीली हो जाने के चलते गेंदबाजों का इस पर नियंत्रण नहीं रह जाता है और बल्लेबाजों को लाभ होता है। आईपीएल में अब इस परेशानी से निपटने के लिए अब दूसरी पारी के 11वें ओवर में नई गेंद के इस्तेमाल का प्रावधान किया जा रहा है। एक बीसीसीआई अधिकारी के मुताबिक यह नियमों में बदलाव नहीं हैं। यह मैच खेल रही दोनों टीमों और अंपायरों की सहमति से लिया जाने वाला फैसला होगा। दूसरी गेंद बिल्कुल नई नहीं होगी, बल्कि इसे घिसकर पुराना बनाया जाएगा। यह नियम भी रात वाले मैचों में लागू होगा। वहीं ओवर रेट के लिए कप्तानों पर प्रतिबंध नहीं लगेगा। वहीं अभी तक ओवर रेट के लिए कप्तानों पर प्रतिबंध लगता था। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी जगह कप्तानों को नकारात्मक अंक दिए जाएंगे।

शुभमन बोले, कप्तानी को बल्लेबाजी से मिलाना ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि कप्तानी में सफलता के लिए इसके साथ बल्लेबाजी को कभी भी मिलाना नहीं चाहिये। इन्हें अलग रखना ही टीम के लिए फायदेमंद रहता है। शुभमन के अनुसार अगर आप कप्तानी और बल्लेबाजी को मिला देते हैं तो वह नुकसानदेह साबित होता है। शुभमन पिछले सत्र में ही हार्दिक पांड्या की जगह गुजरात टाइटंस के कप्तान बने। इस युवा कप्तान ने अभ्यास सत्र से पहले कहा, ''कप्तानी और बल्लेबाजी को जितना अलग रखेंगे, उतना ही अच्छा है। मेरा अनुभव यही है कि अगर मैं बल्लेबाजी करने जा रहा हूं तो बल्लेबाजी पर ही ध्यान दूं। उस समय एक बल्लेबाज के तौर पर जो फैसले मैं लेता हूं, वह मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ होते हैं। वहीं, जब हम फील्डिंग कर रहे होते हैं तब मैं कप्तानी से ज्यादा जुड़ता हूं। बल्लेबाजी करते समय बल्लेबाज के रूप में रहना ही मेरे लिए अच्छा है।''

उन्होंने साथ ही कहा, ''बतौर कप्तान आप प्रतिदिन कुछ नया सीखते हैं, खिलाड़ियों के बारे में या अपने बारे में। अच्छा कप्तान बनने के लिए इन चीजों पर काम करना जरूरी है।'' शुभमन ने 2023 सीजन के दौरान 890 रन बनाए थे, लेकिन अगले सीजन जब वे कप्तान बने तो उनके रनों की संख्या आधे से ज्यादा घटकर 426 रन रह गई थी। यहां तक कि स्ट्राइक रेट भी 157.70 से घटकर 147.40 रह गया था। टीम की हालत भी अच्छी नहीं रही थी और वह प्लेऑफ की दौड़ से भी दूर रही थी। गिल ने क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी और मुख्य कोच आशीष नेहरा को रणनीतिक मामलों में उनकी सहायता करने के लिए धन्यवाद दिया

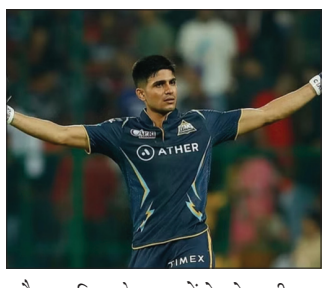

और कहा कि इनके अनुभवों से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला है।

टाइटंस की ओर से खेलने को लेकर उत्साहित सिराज आरसीबी छोड़कर भावुक हुए

नई दिल्ली। पिछले सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की खेलने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज इस बार आईपीएल में गुजरात टाइटंस की ओर से खेलेंगे। सिराज को नीलामी में गुजरात ने के12.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। सिराज ने कहा, 'नए सत्र से पहले गुजरात की टीम से जुड़कर अच्छा लग रहा है पर आरसीबी को छोड़ना भी मेरे लिए आसान नहीं है क्योंकि उसमे विराट भाई ने मुश्किल समय में मेरा बहुत साथ दिया था।' सिराज जब सनराइजर्स हैदराबाद छोड़कर आरसीबी से जुड़े थे तो तब कप्तान रहे विराट ने उनका काफी साथ दिया था। सिराज ने कहा, 'अगर आप गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की बात करते हैं तो वह गेंदबाजों का कप्तान है। वह कभी आपको कुछ नया करने या अपनी रणनीति लागू करने से नहीं रोकता है। हम दोनों ने एक साथ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था और हमारे बीच अच्छी दोस्ती है।' गुजरात टाइटंस के पास तेज गेंदबाज के तौर पर कागिसो रबाडा, राशिद खान, इशांत शर्मा और गेराल्ड कोएत्जी जैसे कुछ अनुभवी तेज गेंदबाज हैं और सिराज ने कहा कि इससे उनका कुछ बोझ कम हो जाएगा। उन्होंने कहा, 'यह वास्तव में बहुत अच्छी बात है क्योंकि आपके पास इतना अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है जो स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगा और ये टीम के लिए अच्छा है। इन गेंदबाजों को अधिक मार्गदर्शन की आवश्यकता नहीं है और वे अपनी रणनीति को अच्छी तरह से जानते हैं।'

स्विस ओपन : भारत के शंकर सुब्रमण्यम ने विश्व के नंबर दो खिलाड़ी को हराकर किया उलटफेर

बेंगलुरू (एजेंसी)। बासेल - भारत के शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने डेनमार्क के विश्व में नंबर दो खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसेन को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में उलटफेर का शिकार बनाकर यहां स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2022 के रजत पदक विजेता और वर्तमान में दुनिया में 64वें नंबर के 21 वर्षीय खिलाड़ी सुब्रमण्यम ने अपने रक्षण का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए तीन बार के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता को 66 मिनट में 18-21 21-12 21-5 से हराया।

तमिलनाडु के रहने वाले सुब्रमण्यम के करियर की यह सबसे बड़ी जीत है। उनका अगला मुकाबला फ्रांस के विश्व में 31वें नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव से होगा जिन्होंने इस सत्र में अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। सुब्रमण्यम टूर्नामेंट में बचे एकमात्र भारतीय एकल खिलाड़ी हैं, जबकि त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है।

विश्व में नौवें नंबर की भारतीय जोड़ी में गुरुवार को खेले गए मैच में जर्मनी की एमिली लेहमैन और सेलिन हब्श को 21-12, 21-8 से हराया। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में इशरानी बरुआ चीन की हान कियान शी से 63 मिनट में 19-21, 21-18, 18-21 से जबकि अनुपमा उपाध्याय महिला एकल के एक अन्य मैच में इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी से 17-21, 19-21 से हार गईं।

सतीश करुणाकरन और आद्या वरियाथ की मिश्रित युगल जोड़ी को लियू कुआंग हेंग और झेंग यू चीह से 14-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। सुब्रमण्यम ने एंटोनसेन के खिलाफ सटीक खेल दिखाया जबकि डेनमार्क के खिलाड़ी का अपने शॉट पर नियंत्रण नहीं था। शुरुआती गेम में दोनों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें बढ़त बार-बार बदलती रही। ब्रेक के समय एंटोनसेन केवल एक अंक की बढ़त बना सके।

बाएं हाथ से खेलने वाले सुब्रमण्यम ने स्कोर 16-14 कर दिया, लेकिन दबाव बरकरार नहीं रख सके और एंटोनसेन ने पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में स्थिति एकदम से बदल गई और सुब्रमण्यम ने डेनमार्क के खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। एंटोनसेन ने निराशा में अपने रैकेट को लात भी मारी। सुब्रमण्यम ने पहले 8-4 और फिर ब्रेक तक 11-6 की बढ़त हासिल की।

एंटोनसेन ने एक और शॉट बाहर मारा जिससे भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा गेम जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। तीसरे गेम के शुरू में स्कोर एक समय 3-3 से बराबर था लेकिन इसके बाद एंटोनसेन ने पूरी तरह से नियंत्रण खो दिया और

कई अप्रत्याशित गलतियां कीं, जिससे भारतीय खिलाड़ी ने ब्रेक तक 11-3 की बढ़त बना ली। सुब्रमण्यम ने इसके बाद भी अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और मैच अपनी झोली में डाल दिया।

चैंपियंस ट्रॉफी से नुकसान नहीं 3 अरब रुपये का लाभ हुआ : पीसीबी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी से उसे नुकसान नहीं फायदा ही हुआ है। पीसीबी ने कहा कि हाल में ये खबरें आईं थीं कि चैम्पियंस ट्रॉफी में 869 करोड़ रुपये खर्च करने के बाद भी उसे कुछ नहीं मिला जो आधारहीन बात है। पीसीबी के प्रवक्ता आमिर मीर और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) जावेद मुर्तजा ने कहा कि इस आईसीसी टूर्नामेंट से पीबीबी का राजस्व काफी बढ़ा है। पीसीबी प्रवक्त ने कहा कि उसे 3 अरब रुपये का लाभ हुआ है। मीर ने कहा, टूर्नामेंट के सभी खर्च आईसीसी ने उठाए थे। पीसीबी ने गेट मनी और टिकटों की बिक्री से राजस्व अर्जित किया और ऑडिट के बाद, हमें आईसीसी से अतिरिक्त 3 अरब रुपये मिलने की उम्मीद है। मीर ने आगे कहा कि बोर्ड ने चैंपियंस ट्रॉफी से 2 अरब रुपये की कमाई का शुरुआती लक्ष्य रखा था पर उसने इस लक्ष्य को पार कर लिया। इस टूर्नामेंट का फाइनल दुबई में खेला गया था जहां भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया था। मीर ने बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी की भी बेहतर वित्तीय स्थिति के लिए सराहना की, क्योंकि उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 40 फीसदी अधिक लाभ कमाया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरसों की फसल में लगने वाले मुख्य कीट एवं उनका नियंत्रण

देश में रबी फसलों में सरसों की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है, सोयाबीन, मूंगफली के बाद सरसों की खेती देश भर में सबसे ज्यादा होती है। खाद्य तेल के रूप में सरसों की मांग अधिक रहने के कारण पिछले कुछ वर्षों से किसानों को सरसों की खेती से अच्छा मुनाफा हो रहा है। सरसों का अच्छा उत्पादन कई कारणों पर निर्भर करता है जैसे मिट्टी, जलवायु, बीज, रोग तथा कीट। कीट एवं रोगों का प्रभाव सीधे सरसों के उत्पादन पर होता है इसलिए किसानों को समय पर इनकी पहचान कर उन पर नियंत्रण पाना आवश्यक है।

सरसों की फसल में समय-समय पर विभिन्न कीट एवं रोग काफी नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उपज में कमी आती है। यदि समय रहते इन रोगों एवं कीटों का नियंत्रण कर लिया जाए तो सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। चेंपा या माहू, आरामक्खी, चितकबरा कीट, मटर का पर्ण सुरंगक कीट आदि सरसों के मुख्य कीट हैं।

सरसों का माहूं (चैपा /मोयला /एफिडा) कीट

सरसों का माहू छोटा, लंबा व कोमल शरीर वाला कीट है। प्रौढ़ माहूं दो अवस्थाओं में पाया जाता है-पहला पंखरहित और दूसरा पंखसहित। पंखरहित प्रौढ़ 2 मि.मी. लंबे, गोलाकार व हरे रंग के या हल्के हरे पीले रंग के होते है। पंखसहित प्रौढ़ पीले उदर वाले व पंख पारदर्शी होते हैं। शिशु पंखरहित अवस्था के समान होते हैं, परन्तु आकार में छोटे होते हैं। दो नलीनुमा संरचनाएं (कोर्निक्ल्स) उदर के अंतिम भाग में उपस्थित होती है।

हानि के लक्षण

ये कीट प्राय- दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में प्रकट होते हैं और मार्च के अंत तक सक्रिय रहते हैं और मार्च के अंत तक विभिन्न भागों जैसे - पुष्पक्रम, पत्ती, तना, टहनी व फलियों से रस चूसकर नुक्सान पहुंचाते हैं। ये कीट समूहों में रहते हैं व तीव्रता से वंशवृद्धि करते हैं। माहूं पहले फसल की वानस्पतिक कलिका पर प्रकट होते हैं व धीरे-धीरे पुरे पौधे को ढक लेते हैं। ये कीट मधुस्राव निकालते हैं और पौधों पर काले कवक का आक्रमण हो जाता है। तना व पत्तियाँ काली हो जाती हैं, जिससे प्रकाश संश्लेषण में बाधा आती है। इस प्रकाश यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। बादालयुक्त व ठंडा मौसम वंशवृद्धि के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है।

समन्वित कीट प्रबंधन

जहाँ तक संभव हो सरसों की बुआई 15 अक्टूबर तक कर देनी चाहिए, इससे फसल माहूँ के प्रकोप से बच जाती है। उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का ही प्रयोग करना चाहिए।

माहूँ के प्राथमिक आक्रमण पर 10 दिनों के अन्तराल पर 2-3 बार माहूँ ग्रसित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर देने से माहूँ की वंशवृद्धि को कम किया जा सकता है।

फसल में कम से कम 10 प्रतिशत पौधे माहूँ से ग्रसित हों तथा प्रत्येक पौधे पर 26 से 28 माहूँ हों, तभी छिड़काव करना चाहिए।

ऑक्सी-डेमेटान मिथाइल (मेटासिस्टाक्स) 25 पायस सांद्रण अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण अथवा मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्र को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें

अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। यदि दोबारा से कीट का प्रकोप हो तब 15 दिनों के अन्तराल से पुनः छिड़काव करें।

यह भी पढ़ें कृषि शक्ति योजना- मध्यप्रदेश

सरसों की आरा मक्खी

इस कीट की प्रौढ़ मक्खी 8-11 मि.मी. लंबी, पीले-नारंगी रंग की ततैया की तरह होती है। इसके पंख धूसर रंग के व काली शिरायें लिए हुए होते हैं। इसका अंडरोपक दांतेदार व आरिनुमा होता है इसलिए इसे आरा मक्खी कहते हैं। सर व टाँगे काली होती है। इसकी सुंडी गहरे हरे रंग की होती है, जिसकी पीठ पर पांच लंबवत धारियां होती है।

हानि के लक्षण

यह कीट मुख्य रूप से फसल की पौधावस्था (अक्टूबर-नवंबर) में ही नुक्सान पहुंचाता है। सूंडी, पत्तियों को काटकर उनमें अनियमित आकार के छेद कर देती हैं। अधिक प्रकोप की अवस्था में पौधे को कंकालित कर देती हैं। फसल में आक्रमण पौधावस्था में अधिक होता है और 3-4 सप्ताह पुरानी फसल में ज्यादा नुक्सान होता है। मध्य जलवायु और कम आर्द्रता इसकी वंशवृद्धि के लिए अनुकूल है।

समन्वित कीट प्रबंधन

स्वच्छ कृषि क्रियाएं (खरपतवार नियंत्रण, वैकल्पिक पोषक पौधे व फसल अवशेषों आदि को नष्ट करना) अपनाना चाहिए।

गर्मियों के दिनों (मई-जून) में खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

फसल लगभग एक माह की हो जाए तब सिंचाई करनी चाहिए। इससे इस कीट की सूंडी पानी में डूबकर मर जाती है।

इस कीट के प्रकोप की अवस्था में मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करना चाहिए।

मटर का पर्ण सुरंगक कीट

प्रौढ़ मक्खी छोटी काले रंग की होती है और इसका सिर पिला होता है। प्रौढ़ मक्खी की लंबाई 1.5 मि.मी., पंख विन्यास लगभग 4 मि.मी. व घरेलू मक्खी के समान परन्तु आकार में छोटी होती है। नए मेगेट्स कीट धूसर सफेद रंग के होते हैं और इनके मुखांग काले भूरे रंग के होते हैं। पूर्ण विकसित कीट हरा पीला रंग का लगभग 3 मि.मी. चौड़ा, जिनका मध्य भाग मोटा और आगे से चपटा होता है। कीट पत्ती में सुरंग के अंदर रहता है और सुरंग में ही कृमिकोष में चला जाता है।

हानि के लक्षण

पौधे की पत्तियों में प्रौढ़ मादा के अन्डरोपक से अंडे देने के लिए छोटे-छोटे छेद करती है। प्रौढ़ मादा व नर इन छेदों से निकलने वाले रस को चूसते हैं। ये कीट पत्ती के पैरेनकाइमा ऊतकों को खाकर टेढ़ी-मेढ़ी सुरंग बनाते हैं। अत्यधिक ग्रसित पत्तियां पीली होकर गिर जाती है व उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अधिक प्रकोप की दशा में ग्रसित पत्तियां छितर जाती हैं। पौधों का ओज प्रभावित होता है और पुष्पं एवं फलन गतिविधियाँ प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप प्राय- पुरानी पत्तियों पर अधिक होता है।

समन्वित कीट

ग्रसित पत्तियों को तोड़कर जमीन में दबा देना चाहिए, ताकि पत्तियों में छिपे कीट व कृमिकोष नष्ट हो जाएं।

आँक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 पायस सांद्रण या डाइमिथोएट 30 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

चितकबरा कीट

प्रौढ़ कीट के शरीर के ऊपर काले व चमकीले नारंगी रंग के धब्बे होते हैं। प्रौढ़ 6.5-7.0 मि.मी. चौड़ा व पूर्ण विकसित शिशु 4 मि.मी. लंबा व 2.6 मि.मी. चौड़ा होता है। इन पर भूरी धारियां पाई जाती हैं। पहली व दूसरी अवस्था शिशु कीट का रंग चमकीला नारंगी और तीसरी व चौथी अवस्था का रंग लाल होता है। मुखांग चुभाने-चूसने वाले एवं पश्चोंमुखी होते हैं।

हानि के लक्षण

ये कीट फसल के छोटे-छोटे पौधों को या पौध अवस्था में अधिक नुक्सान पहुंचाते है। शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही पौधे की पत्तियों एवं प्ररोह से रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं। फसल की दो पत्ती अवस्था में नुक्सान होने पर ग्रसित उपरी भाग मुरझाकर सुख जाता है। वानस्पतिक अवस्था में प्रकोप के समय पत्तियों पर सफेद धब्बे हो जाते हैं। पौधे का विगलन हो जाता है व पौधे पूर्णत- सुख जाते हैं। दोनों मामलों में फसल की दोबारा बुआई आवश्यक हो जाती है। यह कीट फली बनने व पकने की अवस्था में भी आक्रमण करता है, जिससे फलियाँ व दाने सिकुड़ जाते हैं। खलिहानों में कटी हुई फसल पर इन कीटों का आक्रमण व हानि को देखा जा सकता है। इस प्रकार यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। मध्यम तापमान 20 से 40 डिग्री सेल्सियस व कम आर्द्रता इस कीट के गुणन के लिए उपयुक्त है।

समन्वित कीट प्रबंधन

खेत में साफ़-सफाई रखनी चाहिए। खेतों के आसपास खरपतवार तथा फसल अवशेषों को नष्ट कर देना चाहिए।

खेतों की गर्मियों के दिनों (मई-जून) में मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

बुआई के 3-4 सप्ताह बाद यदि संभव हो, तो पहली सिंचाई कर देनी चाहिए।

पौधावस्था में इस कीट का आक्रमण होने पर क्यूनालफाँस 10 प्रतिशत अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत धुल की 20-25 किलोग्राम मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

अत्यधिक प्रकोप की अवस्था में मेलाथियान 50 पायस अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण की एक लीटर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. की 150 मि.ली.मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

फसल का रंग सुनहरा होने पर ही कटाई कर लेनी चाहिए। फसल की जल्द से जल्द मड़ाई कर लेनी चाहिए, जिसमें अधिक हानि न हो व पादप अवशेषों को तुरंत नष्ट कर देना चाहिए।

अधिक लाभ के लिए करें बेबीकॉर्न की खेती

कृषि क्षेत्र में किसान नई फसलों एवं नई किस्मों की वैज्ञानिक तरीके से खेती कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। कृषि के क्षेत्र में फसलों का चयन बाजार मांग के आनुसार करना चाहिए, जिससे किसानों को उचित भाव मिल सकें। आज के समय में लोगों के बीच स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ बेबीकॉर्न की खपत में निरंतर वृद्धि हो रही है। इस वजह से इस फसल का बाजार मूल्य भी अधिक है एवं इससे बहुत से उत्पाद बनाए जाते हैं।

बेबीकॉर्न मक्का की ही एक प्रजाति है, लेकिन इसकी उपयोगिता के आधार पर बेबीकार्न नाम दिया गया है। बाजार में मांग के अनुसार किसानों के बीच खेती की प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। पौधे का अनिषेचित भुट्टा होता और रेशमी बाल (सिल्क) निकलने के 2-3 दिनों के अंदर तोड़कर उपयोग में लाया जाता है। यह काफी मुलायम होता है। समय बढने के साथ इसकी गुणवत्ता में गिरावट आती जाती है।

बेबीकॉर्न से होने वाले लाभ

यह एक स्वादिष्ट व पौष्टिक आहार है, पत्तियों में लिपटा होने के कारण यह कीटनाशक दवाइयों के प्रभाव से मुक्त होता है। इस कारण यह स्वास्थ्य की द्रष्टि से एकदम सुरक्षित है। बेबीकॉर्न का उपयोग सलाद, सूप, सब्जी, अचार एवं कैंडी, पकौड़ा, कोफ्ता, टिक्की, बर्फी, लड्डू, हलवा, खीर इत्यादि के रूप में होता है। बेबीकॉर्न में फास्फोरस भरपूर मात्रा उपलब्ध होता है। इसके लिए अतिरिक्त इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्सियम, लौह व विटामिन भी उपलब्ध हैं। कोलेस्ट्रोल रहित होने एवं रेशों की अधिकता के कारण यह एक निम्न कैलोरीयुक्त आहार है। यह ह्रदय रोगियों के लिए काफी लाभदायक है।

मृदा का चयन एवं खेती की तैयारी

बेबीकॉर्न की खेती के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त दोमट मृदा अच्छी होती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा शेष जुताई देसी हल/रोटावेटर या कल्टीवेटर द्वारा करके पाटा लगाकर खेत को तैयारी कर लेना चाहिए। बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी के साथ-साथ खेत पलेवा करके तैयार करना चाहिए।

बुवाई समय एवं विधि

उत्तर भारत में बेबीकार्न फरवरी से नवंबर के मध्य कभी भी बोया जा सकता है। बुवाई मेड़ों के दक्षिणी भाग में करनी चाहिए तथा मेड़ से मेड़ एवं पौधे से पौधे की दुरी 60 से.मी. म 15 से.मी. रखनी चाहिए। विभिन्न किस्मों के बीजों के आकार के अनुसार प्रति हैक्टेयर 22-25 किलोग्राम बीज दर उपयुक्त होती है।

उर्वरक प्रबंधन

अच्छी उपज के लिए उर्वरक का सही उपयोग होना चाहिए। फास्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं 1/3 भाग नाईट्रोजन, बुआई के समय एवं 1/3 भाग बुआई के 25 दिनों बाद तथा शेष 1/3 भाग नाईट्रोजन 40 दिनों बाद डालना चाहिए। फॉस्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं द भाग नाईट्रोजन बुआई के समय, द भाग नाईट्रोजन बुआई के 25 दिनों के बाद द भाग 60-80 दिनों के उपरांत तथा शेष नाईट्रोजन 80-110 दिनों के बाद देनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

पहली निराई-गुडाई बुआई के 15-20 दिनों बाद तथा दूसरी 30 से 35 दिनों बाद अवश्य करनी चाहिए। इससे जड़ों में हवा का संचार होता है और ये दूर तक फैलकर भोज्य पदार्थ एकत्र करके पौधों को देती हैं। सीमाजीन 105 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर बीज के अंकुरण के पूर्व खेत में छिडकाव करने से खरपतवार नहीं जमते और फसल तेजी से बढती है।

बेबीकॉर्न की तुड़ाई का सही समय

मक्के की बेबीकार्न की गुल्ली को 3-4 से.मी. सिल्क (जीरा) आने पर तोड़ लेना चाहिए। गुल्ली तुडाई के समय ऊपर की पत्तियों को नहीं हटाना चाहिए। पत्तियों को हटाने से ये जल्दी खराब हो जाती है। रबी में एक दो दिन छोड़कर गुल्ली की तुडाई करनी चाहिए। एकल क्रांस संकर मक्का में 3- 4 तुड़ाई जरुरी है।

कितनी उपज प्राप्त होगी

इस तरह खेती करने से बेबीकॉर्न की छिलकारहित उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर प्राप्त होती है। इसके अलावा 200-250 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हरा चारा भी मिल जाता है।बेबीकार्न का छिलका तुडाई के दिन उतारकर प्लास्टिक की टोकरी, थैली या कंटेनर में रखकर तुरंत मंडी में पहुंचा देना चाहिए।

बेबी कॉर्न के साथ लगाएं अंत-फसल

रबी में बेबीकॉर्न के साथ आलू, मटर, राजमा, मेथी, धनिया, गोभी, शलजम, मूली, गाजर इत्यादि अंत-फसल के रूप में ली जाती है। अंत-फसल से जो उपज प्राप्त होती है वह अतिरिक्त लाभ होता है।

स्ट्राबेरी

स्ट्राबेरी एक स्वादिष्ट, लुभाने वाला तथा पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी तथा लोहा बहुतायत में होते हें।

साधारणत : हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में पैदा किया जाता है।

किस्में : चान्डलर, गुरिल्ला, टियोगा, सीस्कैप, स्वीटचार्ली, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलरूपी, फर्न, पजारो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना - स्ट्राबेरी का प्रवर्धन मुख्य रनर (लता को पकड़ने वाली नोक) द्वारा किया जाता है जाकि कायिक प्रवर्धन का एक भाग है। एक पौधे से 7-10 रनर प्राप्त होते हैं। बड़े स्तर पर प्रवर्धन के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। इस विधि से पूरे वर्ष पौधे प्राप्त करते हैं।

सस्य क्रियाएँ - भूमि को तैयार करना स्ट्रबेरी की खेती के लिए जरूरी होता है। भूमि को जोतकर सममतल बनाते हैं। रनर का रोपक समय सितम्बर-अक्टूबर है। रोपक करते समय यह ध्यान रहे कि रनर स्वस्थ,, कीट एवं बीमारी रहित होने चाहिए। चार तरीके से इसका रोपक करते हैं, जैसे- मैटिड से, स्पेस्ड से, हिल तथा प्लास्टिक फिल्म।

उर्वरण व खाद : भिन्न-भिन्न खद एवं उर्वरण की दर अलग-अलग राज्यों के लिए निर्धारित की गई है जिसमें हिमाचल प्रदेश के लिए खाद व उर्वरण को इस प्रकार निर्धारित किया गया है - 50 टन सड़ी हुई गोबर की खाद, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 40 कि.ग्रा. पोटाश को भूमि तैयार करने समय डालते हैं। नत्रजन (80 कि.ग्रा.) को दो भागों में बांटका एक भाग को सितम्बर और दूसरे भाग को फुल आते समय देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण - खरपतवार नियंत्रण के लिए 3-4 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है। ड्यूरान रसायन 5 कि.ग्रा./है. का एक छिड़काव फसल की गुड़ाई के बाद करें।

तुड़ाई एवं उपज - स्ट्राबेरी की तुड़ाई फलों के आधे से तीन चौथाई भाग के रंग बदलने के पश्चात् करते हैकं। फलों का पकना गर्म मौसम में शीध्र होता है। फल की तुड़ाई डण्ठल सहित सुबह के समय करते हैं। इसकी उपज 90 क्विंटल/है. आंकी गई है। अच्छे उव्ररण प्रबंध द्वारा इसकी उपज 175-200 क्विंटल/है. तक होती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

फलों की सतह का 2/3 हिस्सा लाल रंग का होने पर तुड़ाई करे।

छंटाई करके फलो को प्लास्टिक की पन्नेट (200 ग्राम) में पैक करें।

पन्नेट को सिंगल लेयर सीएफबी बॉक्य में रखें।

फलों को शीत गृह मे 4-5 डिग्री से. तापमान व 85-90 प्रतिशत आर्द्रता पर 20-25 दिन के लिए भण्डारित करें।

फलों से जैम, जेली, आईसक्रीम आदि उत्पाद तैयार करें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट

ये लाल रंग के माइट पत्तों की निचली सतह से रस चूसते हैं जिससे पत्तों पर धब्बे बन जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रूक जाने से उपज कम हो जाती है।

2. थ्रिप्स

थ्रिप्स पौधे के पत्तों व फलों से रस चूसकर हानि पहुँचाते हैं। इनसे फसल के बचाव के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या कार्बेरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

3. पत्ती सूत्रकृमि (लीफ नेमाटोड)

यह सूत्रकृमि पौधे के नए फलों को नुसान पहुँचाता है जिससे ये टेढ़े-मेढ़े हो जाते हैं तथा इन पर स्लेटी रंग के धब्बे बन जाते हें। पौधों की वृद्धि पर बुरा प्रभाव पड़ने से ऊपर काफी कम हो जाती है।

प्रबंधन

1. खेत की मिटटी का निर्जर्मीकरण करें।
2. रोपाई से पहले पौधे को 5 मिनट के लिए इसाजोफॉस 50 ई.सी. के 2 प्रतिशत घोल में डुबोएँ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अजमेर दरगाह इलाके में फिर पकड़ा गया अवैध बांग्लादेशी नागरिक

अजमेर(एजेंसी)।अजमेर के दरगाह इलाके में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की धरपकड़ के लिए चल रहे अभियान के तहत पुलिस टीम ने एक और बांग्लादेशी घुसपैठिए को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। आरोपी मोहम्मद अली उर्फ आशिक पुत्र मोहम्मद जफर अली की पहचान टोंगी सिटी इरशाद नगर बस्ती बांग्लादेश के मूल निवासी के तौर पर पुलिस ने की है। अली करीब 10 साल पहले भारत-बांग्लादेश की बॉर्डर क्रॉस कर भारत में घुसा था। वह अलग-अलग शहरों में पहचान छुपाकर रहा और 18 मार्च को ही अजमेर पहुंचा था। अली खानाबदोश के तौर पर दरगाह इलाके में रह रहा था। शक होने पर पुलिस टीम ने अली को डिटेन कर तफ्तीश की उसकी वास्तविकता सामने आ गई। अभियान के तहत पुलिस ने पिछले 4 महीने में दरगाह इलाके से 19 बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा है। पकड़े गए सभी बांग्लादेशियों को अलवर स्थित डिटेक्शन सेंटर पर भेजा गया है। पुलिस अब तक 7 को वापस बांग्लादेश भेज चुकी है।

दिशा सालियन मामला : आदित्य ठाकरे ने कहा कोर्ट में दूंगा जवाब

मुंबई (एजेंसी)। दिवंगत बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मैनेजर दिशा सालियन की मौत के मामले में उनके पिता सतीश सालियन ने बॉम्बे हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दायर की है। इस मामले में शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे पर आरोप लगाया गया है। अब आदित्य ठाकरे ने इस मामले में पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा दिशा सालियन की मौत का मामला पांच साल से चल रहा है और यह कोर्ट में है। वह इस बारे में कोर्ट में जवाब देंगे। आदित्य ठाकरे ने कहा कि हमने इस सरकार को बेनकाब कर दिया है। संघ ने भी सरकार को बेनकाब कर दिया है। महाराष्ट्र को कहां ले जाया गया है, आज यही सवाल है। हमने औरंगजेब, हिंदुत्व पर उन्हें बेनकाब कर दिया। हमने हर मुद्दे पर उन्हें बेनकाब कर दिया। पिछले 5 सालों से मानहानि की कोशिशें चल रही है। हम इस बारे में कोर्ट में जवाब देंगे। मैं इस पर राजनीति नहीं करना चाहता। आदित्य ठाकरे ने कहा कि विधान परिषद में विश्वास प्रस्ताव लाया गया है और यह प्रक्रिया के दृष्टिकोण से आया है। इस तरीके से काम कभी नहीं किया गया। सरकार विधान परिषद का अपमान कर रही है। हमने कई बार बोलने की कोशिश की है। हमें मुद्दे उठाने की अनुमति मिलनी चाहिए। सत्ता पक्ष ही कार्यवाही बंद करवाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मंत्री या अधिकारी मौजूद नहीं हैं। इन मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा होनी चाहिए, ऐसा भी आदित्य ठाकरे ने कहा। आदित्य ठाकरे ने आगे कहा कि हमने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि वे मंत्रियों और मुख्यमंत्री को बुलाएं और मंत्रियों को समझाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि मंत्रियों को पूरी तत्परता से अपने-अपने जवाब देने चाहिए। मंत्रियों को विधान परिषद में उपस्थित रहना चाहिए। हम लोगों के सवाल उठाते हैं। हम सत्ताधारी विधायकों की तरह कार्यवाही बंद नहीं करते। आदित्य ठाकरे ने आलोचना की है कि मंत्रियों और सत्ता में बैठे लोगों को मुद्दों को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

भाजपा विधायक के साथ पुलिस की धक्कामुक्की, कपड़े फटे

गाजियाबाद(एजेंसी)।लोनी बॉर्डर थानाक्षेत्र में गुरुवार को कलश यात्रा निकालने के दौरान विधायक नंद किशोर गुर्जर और उनके समर्थकों की पुलिस के साथ धक्का-मुक्की हो गई। इस दौरान विधायक के कपड़े फट गए तो थाना प्रभारी हरेंद्र मलिक के साथ अभद्रता हुई। हंगामे के बाद विधायक लोगों के साथ सड़क पर धरने पर बैठ गए। हंगामा होने पर पुलिस ने यात्रा को जाने दिया। पुलिस अधिकारियों ने इस मामले में कार्रवाई की बात कही है तो विधायक ने अन्न-जल त्यागने की घोषणा की है। संगम विहार स्थित कन्या डिग्री कॉलेज परिसर में गुरुवार को सात दिवसीय रामकथा का शुभारंभ हुआ। पहले दिन विधायक नंद किशोर गुर्जर ने क्षेत्र की महिलाओं के साथ दोपहर साढ़े तीन बजे कलश यात्रा शुरू की। पुलिस ने अनुमति न लेने और गैर परंपरागत आयोजन होने के चलते कलश यात्रा रोक दी। इस पर विधायक और उनके समर्थकों की पुलिस से धक्का-मुक्की हो गई। विवाद बढ़ने के बाद पुलिस ने कलश यात्रा को जाने दिया। इसके बाद कलश यात्रा संगम विहार, राजीव गार्डन, लक्ष्मी गार्डन, इंद्रापुरी होते हुए आयोजन स्थल पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने इस मामले में कार्रवाई की बात कही है। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी का कहना है कि एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार सिंह को 19 मार्च को सूचना मिली कि विधायक नंदकिशोर गुर्जर के पुत्र हितेश गुर्जर गुरुवार को जुलूस निकालने वाले हैं। इस पर लोनी बॉर्डर थाना प्रभारी ने बुधवार रात को हितेश गुर्जर और उनके समर्थक को फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुआ। गुरुवार सुबह थाना प्रभारी ने विधायक नंद किशोर गुर्जर से बातकर जुलूस न निकालने का आग्रह किया।

किसान विधानसभा घेराव करते इससे पहले मान सरकार ने बुलाई बैठक

चंडीगढ (एजेंसी)। पंजाब सरकार ने किसानों के आगामी विधानसभा घेराव को देखते हुए अहम बैठक बुलाई है। कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुदियां आज शुक्रवार शाम 4:00 बजे चंडीगढ़ स्थित पंजाब भवन में संयुक्त किसान मोर्चा पंजाब चैप्टर और भारतीय किसान यूनियन उगराहां समूह के नेताओं से बातचीत करेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले 3 मार्च को हुई बैठक में मुख्यमंत्री भगवंत मान किसानों से चर्चा के दौरान बैठक छोड़कर चले गए थे। इसके बाद किसानों को चंडीगढ़ में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई थी। इसी के चलते शंभू और खनौरी बॉर्डर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों पर पंजाब पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया था। 19 मार्च को पंजाब पुलिस ने शंभू और खनौरी बॉर्डर पर 13 महीने से धरने पर बैठे किसानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की।

'यह तुष्टिकरण की पराकाष्ठा', कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण पर भड़क गई बीजेपी, राहुल गांधी को बताया आलमगीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस पर कर्नाटक में कॉन्ट्रैक्ट जिहाद करने का आरोप लगाया। राज्य विधानसभा ने सरकारी अनुबंधों में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण की अनुमति देने वाला विधेयक पारित किया है। भाजपा ने इसे ओबीसी, एससी और एसटी के अधिकारों का उल्लंघन बताया। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राज्य सरकार के फैसले को आगे बढ़ाया। उन्होंने आरोप लगाया कि वह मुस्लिम कोटे की बैसाखी का इस्तेमाल अपनी राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि इसके बिना वह कुछ नहीं कर पाएंगे।

संबित पात्रा ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा में आज कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता विधेयक में संशोधन के साथ पारित किया गया है। इसका मतलब यह है कि आज से कर्नाटक में जो सरकारी ठेके हैं, उन ठेकों में 4 प्रतिशत आरक्षण मुसलमानों के लिए आरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि मुझे ये बताते हुए दुख हो रहा है कि ये जो मुस्लिमों को 4 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है, वो ओबीसी कैटेगरी 2बी में से दिया गया है। इसका अर्थ है कि कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने ओबीसी बंधुओं के अधिकार में सेंधमारी कर मुसलमानों को दिया है।

भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने ये जो निर्णय लिया है, यह तुष्टिकरण की पराकाष्ठा है। हमने सदैव देखा है कि कांग्रेस पार्टी व उसके घटक दलों की राजनीति परिवारवाद, तुष्टिकरण और जातिवाद के आधार पर ही चलती है। इसलिए ये कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि कहीं न कहीं राहुल गांधी पॉलिटिकली अनफिट हैं, इसलिए वे तुष्टिकरण के माध्यम से अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। पात्रा ने उर्दू में तुकांत पंक्तियों का प्रयोग करते हुए उन पर कटाक्ष किया। उन्होंने मुगल बादशाह औरंगजेब पर आधारित एक नाटक में कहा, 'आलमगीर राहुल-जेब' 'जहांपनाह' बनने की महत्वाकांक्षा रखते है। उन्होंने दावा किया कि ऐसे ही 1947 और उससे पहले नेहरू जी की महत्वाकांक्षा के कारण जो बात केवल एक चिंगारी के रूप में आरंभ हुई थी, वो देश के विभाजन पर समाप्त हुई। 'मुझे राष्ट्राध्यक्ष बनना है...' उसके लिए भारत के टुकड़े किए गए। आज राहुल गांधी उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए, जो आज 4 प्रतिशत पर शुरू हुआ है, कल वो 100 प्रतिशत करने की मंशा इन लोगों में है।

किसानों के मुद्दे पर मुखर हुए बजरंग पूनिया, अपना हक मांग रहे, क्या बुरा कर रहे

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान और कांग्रेस नेता बजरंग पूनिया इस बार किसानों के मुद्दे पर मुखर हुए है। किसानों को लेकर पुनिया ने अपनी निराशा व्यक्त की है। पंजाब के शंभू बॉर्डर से कई किसानों को हटाया गया है, इस पर पूनिया दुखी हो गए है। घटना के बाद कांग्रेस नेता पुनिया ने पोस्ट किया है। उन्होंने प्रतिक्रिया देकर कहा कि शंभू और खनौरी बॉर्डर पर बीते 13 माह से किसान आंदोलनरत थे। इस दौरान किसानों पर कई अत्याचार हुए। सरकार ने किसानों को गोली चलवाने से भी परहेज नहीं किया। किसान शुभकरण को गोली तक मारी गई। कांग्रेस नेता पूनिया ने कहा कि किसान जो भी मांग कर रहे हैं, वे उचित है। किसान सिर्फ अपनी मेहनत का उचित मूल्य मांग रहे है। लेकिन सरकार किसानों के साथ मारपीट हो रही है। उनका हौंसला तोड़ने के लिए उन्हें तरह तरह की यातनाएं दी जा रही है। पूनिया का कहना है कि मोदी सरकार धोखे से किसानों के साथ बैठक करती है और फिर उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। धरना स्थल को बुलडोजर से नष्ट किया जाता है। उन्होंने इस कदम की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के दबाव में आकर क्या पंजाब सरकार भी आ गई है। वर्तमान स्थिति भी जल्द ही साफ होगी। किसानों का समर्थन करते हुए पुनिया ने कहा कि किसान झुकेगा नहीं।

राहुल गांधी पर मानहानि मामला: होली मिलन के चलते नहीं हो सकी सुनवाई

-अब 3 अप्रैल को कोर्ट करेगी सुनवाई, राहुल के वकील गवाह से करेंगे जिरह

सुल्तानपुर (एजेंसी)। यूपी के सुल्तानपुर में राहुल गाँधी के मानहानि मामले में सुनवाई टल गई। दीवानी न्यायालय में होली मिलन कार्यक्रम को लेकर वकील न्यायिक कार्य से विरत रहे जिसके चलते लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई एमपी/एमएलए कोर्ट में नहीं हो सकी। उक्त मामले में कोर्ट ने 3 अप्रैल को सुनवाई की तारीख तय की है। अब 3 अप्रैल को राहुल गाँधी के वकील अगले गवाह से करेंगे जिरह। दरअसल नेता प्रतिपक्ष व रायबरेली सांसद राहुल गांधी के मानहानि मामले में सुल्तानपुर की एमपी/एमएलए की विशेष कोर्ट में सुनवाई होनी थी। लेकिन दीवानी न्यायालय में होली मिलन कार्यक्रम के आयोजन की वजह से सभी अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे जिसकी वजह से सुनवाई टल गई। अब परिवादी की ओर से अगले गवाह से जिरह के लिए 3 अप्रैल की तारीख कोर्ट ने तय की है। बता दें बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने 2018 में राहुल गांधी के विरुद्ध मानहानि का परिवाद दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2018 में कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी की थी, इससे वह आहत हुए हैं। कोर्ट में 5 साल लंबी प्रक्रिया चली, राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए तो दिसंबर 2023 में तत्कालीन जज ने वारंट जारी कर उन्हें तलब किया था। तब फरवरी 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में सरेंडर किया। विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 के दो मुचलके पर जमानत दे दी थी। इसके बाद राहुल गांधी को कोर्ट ने बयान दर्ज करने के लिए बुलाया था। दर्जनों तारीखों के बाद बीते 26 जुलाई को राहुल कोर्ट में पहुंचे थे और उन्होंने अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने स्वयं को निर्दोष बताया और कहा था उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश हो रही है। इसके बाद कोर्ट में वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। इस साल 2 जनवरी को जिरह पूरी नहीं होने पर कोर्ट ने 10 जनवरी व 22 जनवरी की तारीख नियत की थी लेकिन इन दोनों ही तिथियों पर अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते सुनवाई टल गई थी।

राष्ट्रगान के दौरान हिलते-डुलते, हंसते और हाथ जोड़ते नजर आए सीएम नीतीश

-विधानसभा में हंगामा, विपक्ष ने कहा-राष्ट्रगान का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) समेत अन्य विपक्षी दलों ने शुक्रवार को विधानसभा में हंगामा किया। सुबह 11 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश के वीडियो पर निशाना साधते हुए कार्य स्थगन का प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

इसके बाद विपक्षी विधायक वेल में उतरकर हंगामा करने लगे। इस दौरान कुछ विधायक रिपोर्टर टेबल पर चढ़ गए। स्पीकर ने दोपहर दो बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। पहली पाली में सदन की कार्यवाही मात्र 8 मिनट ही चल सकी।

सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी विधायकों ने विधानसभा पोर्टिको में भी सीएम नीतीश के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। तेजस्वी समेत अन्य विपक्षी सदस्य हाथों में पोस्टर लेकर विधानसभा पहुंचे। इससे पहले आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी ने सोशल मीडिया पर गुरुवार को सीएम नीतीश का एक वीडियो शेयर किया था। इसमें सीएम नीतीश एक कार्यक्रम में राष्ट्रगान के दौरान हिलते-डुलते, हंसते और हाथ जोड़ते दिख रहे हैं। अब इस वीडियो पर विधानसभा में हंगामा हो गया।

वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा कि सीएम नीतीश कुमार बड़े हैं। हम उनका सम्मान करते हैं, लेकिन जिस तरह हमारे सीएम ने राष्ट्रगान का अपमान किया है, बिहारी होने के नाते हम शर्मिंदा हैं। नीतीश ने बिहारियों का सिर शर्म से झुका दिया है। देश के इतिहास में पहली बार किसी राज्य के सीएम को राष्ट्रगान का अपमान करते देखा गया है। नीतीश कुमार को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

बिहार विधान परिषद की कार्यवाही शुरू होने के 10 मिनट के अंदर स्थगित कर दी गई। परिषद में विपक्ष के सदस्यों द्वारा खेल कार्यक्रम में सीएम नीतीश द्वारा राष्ट्रगान का अपमान किए जाने का आरोप लगाकर हंगामा किया। राजद के एमएलसी सुनील कुमार सिंह ने शुक्रवार को सदन में कार्यस्थगन प्रस्ताव पेश किया। जिसे सभापति ने नियम विरुद्ध बताकर अस्वीकृत कर दिया। इसके बावजूद विपक्ष के सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी। परिषद में नेता विपक्ष राबड़ी देवी ने राष्ट्रगान के अपमान को देश का अपमान बताया है। इस पर सभापति ने कहा कि यह बोलकर बिहार का अपमान किया जा रहा है। कोई भी बात इस संबंध में कार्यवाही में दर्ज नहीं होगी। वहीं, जदयू के नीरज कुमार ने भी विपक्ष के सदस्यों का विरोध किया। शोर के बीच औपचारिक कार्य निबटाए गए और सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

मणिपुर में शांति बहाली के लिए संघ ने किए विशेष प्रयास : मुकंदा

-आरएसएस प्रतिनिधि सभा की बैठक : मनमोहन सिंह समेत जाकिर हुसैन और श्याम बेनेगल को भी दी गई श्रद्धांजलि

बेंगलुरु (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक बेंगलुरु में आयोजित की गई, जिसमें आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सहित संगठन के शीर्ष पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, प्रख्यात तबलावादक ज़ाकिर हुसैन, गायक श्याम बेनेगल, अर्थशास्त्री बिबेक देवरॉय, केंद्रीय मंत्री देवेंद्र प्रधान और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

आरएसएस के सह-सरकार्यवाह सीआर मुकंदा ने बैठक में मणिपुर की स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि राज्य में शांति बहाली के लिए संघ ने विशेष प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा, कि मणिपुर में हालात अब भी सामान्य नहीं हैं। सरकार ने भी कदम उठाए हैं, लेकिन आरएसएस की ओर से भी वहां शांति के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। संघ की बैठक में परिसीमन मुद्दे पर भी चर्चा की गई। सीआर मुकंदा ने स्पष्ट किया कि परिसीमन को लेकर जो अनुपात तय किया गया है, वही आगे भी लागू रहेगा। इस पर लगाए जा रहे आरोप राजनीति से प्रेरित हैं।

मातृभाषा सर्वोपरी लेकिन अन्य भाषाएं भी सीखें

भाषा विवाद पर आरएसएस का स्पष्ट रुख सामने आया। संगठन ने कहा कि मातृभाषा सर्वोपरि है, और हर नागरिक को अपनी मातृभाषा के साथ-साथ कामकाज और रोजगार के लिए अन्य भाषाएं भी सीखनी चाहिए। आरएसएस ने यह भी कहा कि स्थानीय भाषाओं में रुपये के प्रतीक को मान्यता दी जानी चाहिए।

राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय पहचान पर जोर

बैठक में देश के सांस्कृतिक और सामाजिक विकास पर भी चर्चा की गई। राष्ट्रीय पहचान और नागरिकों के पंजीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए सीआर मुकंदा ने कहा कि हर नागरिक की पहचान और रजिस्ट्रेशन होना जरूरी है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। इस बैठक में हिंदू प्रतिनिधियों और इस्कॉन प्रमुखों ने भी हिस्सा लिया। इस बैठक में आरएसएस ने भाषा, परिसीमन, मणिपुर संकट और राष्ट्रीय पहचान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी स्थिति स्पष्ट की। संगठन ने राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए समाज के हर वर्ग को एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

बंगले में लगी आग तो खुला राज कि जज साहब तो हैं धनकुबेर

-कैश का भंडार मिलने के बाद कॉलेजियम ने की तबादले की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के तबादले की सिफारिश की है। यह निर्णय तब आया जब उनके सरकारी बंगले में आग लगने के बाद भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने उन्हें वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजने की अनुशंसा की है।

सूत्रों के अनुसार, जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास में अचानक आग लग गई थी। जब दमकल कर्मियों ने आग बुझाई, तो बंगले के अंदर भारी मात्रा में नकदी पाई गई। इसके बाद यह मामला न्यायपालिका के उच्चतम स्तर तक पहुंचा, और सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने आपात बैठक बुलाकर जस्टिस वर्मा के तबादले का निर्णय लिया। बताया गया है कि आग लगने के समय जस्टिस वर्मा दिल्ली में मौजूद नहीं थे। उनके परिवार के सदस्यों ने पुलिस और दमकल विभाग को सूचित किया था। आग बुझाने के बाद जब सरकारी रिकॉर्ड में बेहिसाब नकदी दर्ज हुई, तो सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम को इसकी जानकारी दी गई। इसके बाद आपात बैठक में उनके ट्रांसफर की सिफारिश की गई। सूत्रों की मानें तो सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के कुछ सदस्यों ने इस घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की है। उनका मानना है कि केवल तबादला करने से न्यायपालिका की छवि प्रभावित हो सकती है। कुछ सदस्यों का सुझाव है कि जस्टिस वर्मा से इस्तीफा लिया जाना चाहिए, अन्यथा उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू की जाए।

इन-हाउस जांच की प्रक्रिया

संविधान के अनुसार, किसी भी न्यायाधीश के खिलाफ भ्रष्टाचार, अनियमितता या कदाचार के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 1999 में एक इन-हाउस प्रक्रिया स्थापित की थी। इस प्रक्रिया के तहत, सीजेआई पहले संबंधित न्यायाधीश से स्पष्टीकरण मांगते हैं। यदि जवाब संतोषजनक नहीं होता, तो एक विशेष समिति गठित की जाती है, जो जांच के आधार पर निर्णय लेती है।

कपिल सिबल की आई प्रतिक्रिया

इस मामले पर वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने कहा, कि मुझे इस मामले की पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार का मुद्दा बेहद गंभीर है। अब समय आ गया है कि सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाए।

इस पूरे घटनाक्रम को जानकार न्यायपालिका की साख पर गंभीर प्रश्न खड़ा करने वाला बता रहे हैं। अब देखना यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम आगे क्या कदम उठाता है और क्या जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू होती है या नहीं।

सुनीता वापस आई, अब अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 286 दिनों तक अंतरिक्ष में रहने के बाद बुधवार सुबह स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के द्वारा धरती पर सुरक्षित लौट आई हैं। स्पेसएक्स के ड्रैगन यान की सफल वापसी के बाद अब दुनिया की नजर आगामी एक्सियम मिशन 4 (एएक्स-4) पर टिकी है, इसमें भारत की महत्वपूर्ण भागीदारी होगी। वसंत 2025 में लांच होने वाले निजी अंतरिक्ष मिशन में पहली बार भारतीय वायुसेना के टेस्ट पायलट और गगनयान मिशन से जुड़े अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) भेजा जाएगा। यह मिशन नासा के केनेडी स्पेस सेंटर, फ्लोरिडा से स्पेसएक्स के ड्रैगन यान के जरिए रवाना होगा और करीब 14 दिनों तक चलेगा।

एएक्स-4 मिशन में शुक्ला के अलावा, नासा की पूर्व अंतरिक्ष यात्री पेगी व्हिटसन कमांडर की भूमिका निभाएंगी। उनके साथ यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के अंतरिक्ष यात्री सावोश उजनांस्की-विस्नीवस्की (पोलैंड) और तिबोर कापू (हंगरी) भी शामिल रहने वाले है। यह टीम अंतरिक्ष में विभिन्न वैज्ञानिक रिसर्च, शैक्षिक गतिविधियां और व्यावसायिक परियोजनाओं में शामिल होगी। यह पहली बार होगा जब कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री निजी मिशन के तहत आईएसएस पर जाएगा। भारत और निजी अंतरिक्ष अभियानों के लिए बड़ी उपलब्धि एएक्स-4 मिशन न केवल अंतरिक्ष में निजी कंपनियों की बढ़ती भागीदारी को दिखाता है, बल्कि यह भारत और अमेरिका के बीच इसरो और नासा के सहयोग को मजबूत करता है। नासा की आईएसएस प्रोग्राम मैनेजर डाना वेइगेल ने कहा, निजी अंतरिक्ष मिशन माइक्रोग्रैविटी रिसर्च के लिए नए मौके पैदा करने के साथ-साथ मानव अंतरिक्ष उड़ान की पहुंच को भी व्यापक बना रहे हैं।

क्योंकि इससे मिलने वाले अनुभवों को भारत के गगनयान मिशन में भी इस्तेमाल किया जाएगा। भारत की यह ऐतिहासिक भागीदारी भविष्य में अंतरिक्ष अन्वेषण और व्यावसायिक अंतरिक्ष यात्रा के दरवाजे खोल सकती है। एशिया का पहला वाणिज्यिक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की योजना एक्सियम स्पेस कंपनी भविष्य में दुनिया का पहला निजी स्पेस स्टेशन विकसित करने की योजना बना रही है और एएक्स-4 मिशन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एएक्स-4 मिशन की तैयारियां जोरों पर हैं और भारत के शुक्ला की ऐतिहासिक यात्रा को लेकर उत्साह लगातार बढ़ रहा है। यह मिशन वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष अभियानों में भारत की भागीदारी को एक नई ऊंचाई पर ले जाने वाला साबित हो सकता है।

सुनीता की वापसी और शुभांशु शुक्ला की आगामी यात्रा भारत के अंतरिक्ष इतिहास में नए अध्याय जोड़ रही हैं। जहां सुनीता ने अपनी अद्भुत अंतरिक्ष यात्रा के साथ एक मिसाल कायम की है, वहीं शुभांशु भारत के अंतरिक्ष सपनों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तैयार हैं।

संक्षिप्त समाचार

तुर्किये में राष्ट्रपति के प्रतिद्वंद्वी भ्रष्टाचार में गिरफ्तार

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये पुलिस ने बुधवार को इस्तांबुल के मेयर एक्रेम इमामोगलू और कई अन्य प्रमुख हस्तियों को कथित भ्रष्टाचार व आतंकवाद से संबंधित मामलों की जांच के तहत गिरफ्तार कर लिया है। इमामोगलू देश में विपक्ष के नेता हैं और राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोऑन के प्रमुख प्रतिद्वंद्वी भी हैं। माना जा रहा है कि यह कार्रवाई तुर्किये में विपक्ष की उठती आवाजों के खिलाफ सरकार की बढ़ती घटनाओं का एक हिस्सा है। अभियोजकों ने मेयर समेत करीब 100 अन्य लोगों के लिए हिरासत वारंट जारी किया है। इसके खिलाफ प्रदर्शनों पर भी रोक लगा दी गई है। गिरफ्तारियां इस्तांबुल के मेयर एक्रेम इमामोगलू के घर की तलाशी के बाद हुई।

पेरू में हिंसा बढ़ने पर सेना ने संभाला मोर्चा आपातकाल लगाया

लीमा, एजेंसी। पेरू की राष्ट्रपति ने एक लोकप्रिय गायक की हत्या के एक दिन बाद शुरू हुई व्यापक हिंसा के बीच राजधानी में आपातकाल की घोषणा की गई और हिंसा की बढ़ती घटनाओं से निपटने में पुलिस की मदद के लिए सैनिकों की तैनाती का आदेश दिया। राष्ट्रपति डीना बोलुआर्टे की सरकार ने एक आदेश में कहा, आपातकाल 30 दिन रहेगा। इस दौरान सभा, आंदोलन समेत विभिन्न गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा। यानी पुलिस और सेना न्यायिक आदेश के बिना लोगों को हिरासत में ले सकती है।

निर्वासन के बाद अमेरिकी बंदी ट्रैकिंग सिस्टम से अप्रवासी गायब

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद बीते दो महीने में बड़ी संख्या में लोगों को अमेरिका से निर्वासित किया गया है। इसी बीच एक हैरान करने वाली खबर आई है। टेक्सास में संघीय हिरासत केंद्र से 26 वर्षीय नाई फ्रेंको कैराबेलो और दर्जनों अन्य वेनेजुएला प्रवासियों को सफेद कपड़े पहनाए गए। हथकड़ी लगाकर विमान से इन सबको साल्वाडोर ले जाया गया। दर्जनों लोगों के इस मामले में हैरान करने वाला पहलू ये है कि निर्वासन के 24 घंटे बाद कैराबेलो का नाम अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन के ऑनलाइन बंदी लोकेटर से गायब हो गया। ट्रंप प्रशासन ने काराबालो पर वेनेजुएला के ट्रेन डी अरागुआ गिरोह से संबंधित होने का आरोप लगाया है। हालांकि, उनकी पत्नी जोहानी सांचेज को पता चला कि काराबालो को भी अल साल्वाडोर भेजा गया है, लेकिन उनके पति किसी गिरोह के सदस्य नहीं हैं।

परिवार की हत्या करने वाले ब्रिटिश किशोर को 49 साल की जेल

लंदन, एजेंसी। 19 साल के ब्रिटिश किशोर को अपनी मां और दो छोटे भाई-बहनों की गोली मारकर हत्या का दोषी पाया गया है। एक हाई-प्रोफाइल स्कूल में गोलीबारी करने की साजिश रच रहे इस किशोर को कम से कम 49 साल की जेल की सजा होगी। इस अवधि में उसे पैरोल भी नहीं मिलेगी। ल्यूटन क्राउन कोर्ट में सजा पर सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति बॉबी चीमा-ग्रब ने कहा कि उन्होंने निकोलस प्रॉस्पर को आजीवन कारावास की सजा देने पर विचार किया था। हालांकि, गोलीबारी के समय वह 18 वर्ष का था। उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया इसलिए उसे आजीवन कारावास की सजा नहीं हुई। पिछले महीने एक सुनवाई के दौरान प्रोस्पर ने अपनी मां जुलियाना फाल्कन (48), और अपनी 13 वर्षीय बहन गिजेल प्रोस्पर तथा 16 वर्षीय भाई काइल प्रोस्पर की हत्या का अपराध कबूला था। 13 सितंबर, 2024 को हुई हत्या के दौरान प्रोस्पर ने अपने भाई पर भी 100 से अधिक बार चाकू से वार किया था।

बीएलए ने खत्म किया दर-ए-बोलन अभियान, कहा- पाकिस्तानी सेना हार छिपाने के लिए बोल रही है झूठ

क्वेटा, एजेंसी। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सेना पर अपनी हार को छिपाने के लिए झूठ और धोखे का सहारा लेने का आरोप लगाते हुए दर-ए-बोलन अभियान के सफल समापन की घोषणा की। उसने कहा, अभियान में दो भाग शामिल थे, पहला चरण फरवरी 2024 में माच शहर पर कब्जे के साथ पूरा हुआ, जबकि दूसरा चरण मार्च 2025 में जालर एक्सप्रेस ट्रेन के अपहरण और हमले के साथ शुरू हुआ। बीएलए ने कहा कि अभियान में पाकिस्तानी सेना को हार का सामना करना पड़ा क्योंकि उसके 354 से अधिक सुरक्षाकर्मी मारे गए, जबकि 100 से अधिक अन्य घायल हो गए और 214 कर्मियों को बंधक बना लिया गया। उसने कहा, दुश्मन के हठ और युद्धबंदियों के आदान-प्रदान से इन्कार करने के कारण सभी बंधकों को मार दिया गया। एक बयान में, बीएलए ने खुद को अपनी भूमि की ताकत पर एक अजेय शक्ति बताया। बलोचों के इस गुट ने कहा, तथ्य यह है कि बीएलए अपनी भूमि, लोगों और सार्वजनिक समर्थन की ताकत पर एक अजेय शक्ति बन गई है। हमारा प्रतिरोध बलोचों के राष्ट्र की सामूहिक शक्ति की अभिव्यक्ति है, जिसे किसी बाहरी मदद की आवश्यकता नहीं है। बता दें कि बीते 11 मार्च मंगलवार सुबह 9 बजे क्वेटा से पेशावर के लिए रवाना हुई जफर एक्सप्रेस को बीएलए के लड़ाकों ने दोपहर 1:30 बजे सिब्बी रेलवे स्टेशन से पहले अपने कब्जे में ले लिया था। लड़ाकों ने बोलान में माशफाक टनल के पास रेल पटरी उड़ा दी थी और ट्रेन के रुकते ही उस पर कब्जा कर लिया था। बीएलए ने 30 पाकिस्तान सैनिकों को मार गिराने का दावा किया था।

इजराइल ने गाजा में टैंक उतारे, जमीनी हमले शुरू

रक्षामंत्री काट्ज बोले- बंधक नहीं लौटाए तो हमास को पूरी तरह बर्बाद कर देंगे

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने गाजा में एक बार फिर से टैंक उतारकर जमीनी हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइली डिफेंस फोर्स (आइडीएफ) के मुताबिक उसने गाजा पट्टी के सेंट्रल और साउथ के हिस्सों में ग्राउंड ऑपरेशन चालू किया हैं। द्धछ्व के इस ग्राउंड ऑपरेशन का मकसद नॉर्थ और साउथ गाजा के बीच एक बफर जोन बनाना और इजराइल बॉर्डर से लगे सिक्योरिटी जोन का विस्तार करना है।

नॉर्थ और साउथ गाजा को अलग करने वाले नेतजारिम कॉरिडोर में आइडीएफ की 252वीं डिवीजन के सैनिक दाखिल हो गए हैं। इसके आधे से ज्यादा इलाके पर सेना ने कब्जा भी कर लिया है। दूसरी तरफ रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने बंधकों को नहीं लौटाने पर हमास को पूरी तरह बर्बाद करने की धमकी दी है।

नेतन्याहू के खिलाफ यरुशलम में प्रदर्शन, 12 गिरफ्तार : बुधवार रात यरूशलम में नेतन्याहू के खिलाफ हजारों लोग सड़क पर प्रदर्शन करने उतरे। ये प्रदर्शनकारी इजराइली खुफिया एजेंसी शिन बेट के चीफ रोनन बार और अटॉर्नी जनरल गली बहाराव-मियारा को पद से हटाने और गाजा में दोबारा जंग शुरू करने के फैसले का विरोध कर रहे थे। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वाटर कैनन से पानी की बौछार की। सड़कें जाम करने के आरोप में पुलिस ने 12 लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

अटॉर्नी जनरल गली बहाराव-मियारा ने शिन बेट के चीफ रोनन बार को हटाने के फैसले को अवैध करार दिया था। इसके बाद नेतन्याहू ने मियारा को भी पद से हटाने का फैसला किया है। नेतन्याहू पर आरोप है कि वो रोनन को इसलिए हटाना चाहते हैं, जिससे हमास और कतर के साथ नेतन्याहू के सहयोगियों की गुप्त डील की जांच रोकी जा सके। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के पूर्व चीफ तामिर पारदो ने नेतन्याहू को देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया है। इजराइल ने गाजा में हमास के प्रधानमंत्री इस्साम दिब अब्दुल्ला अल-दालीस को मार गिराया है। इजराइल डिफेंस फोर्सेस ने बुधवार को अब्दुल्ला की मौत की पुष्टि की। अब्दुल्ला ने जुलाई 2024 में रूही मुश्ताहा की मौत के बाद उसकी जगह ली थी। अब्दुल्ला गाजा में हमास की सरकार चलाता था। उसके पास हमास के संगठन और लड़ाकों की गतिविधियों की जिम्मेदारी भी थी। पिछले 24 घंटे में इजराइल ने हवाई हमलों में हमास के 3 बड़े आतंकियों को भी मार गिराया है। इनमें हमास के कमांडर और पॉलिटिकल लीडर महमूद मारजूक अहमद अबू-वत्फा, बहजत हसन मोहम्मद अबू-सल्तान और अहमद ओमर अब्दुल्ला अल-हाता शामिल हैं।

इजराइली रक्षामंत्री बोले- गाजा में नरक के दरवाजे खोल देंगे : इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने मंगलवार को हमास को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर बंधकों को रिहा नहीं किया तो गाजा में नरक के दरवाजे खोल देंगे। हमास ने इजराइली हवाई हमलों को सीजफायर का उल्लंघन बताया। हमास ने धमकी दी है कि इस कदम से उसकी कैद में मौजूद इजराइली बंधकों की जान खतरे में आ गई है। हमास ने कहा कि इजराइल ने बिना किसी उकसावे के हमले किए हैं। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने यह हमले इसलिए कराए क्योंकि सीजफायर पर हो रही बातचीत आगे नहीं बढ़ रही थी। नेतन्याहू कई बार फिर से जंग शुरू करने की धमकी दे चुके हैं। इजराइल ने पिछले दो हफ्तों से गाजा में भोजन, दवाइयों, ईंधन और अन्य सप्लाई को रोक दिया है और मांग की है कि हमास सीजफायर समझौते में बदलाव स्वीकार करे।

सीजफायर के पहले फेज में 33 इजराइली बंधक रिहा हुए : सीजफायर का पहला फेज 1 मार्च को खत्म हो गया है। पहले फेज में हमास ने 33 बंधक छोड़े हैं, इनमें 8 शव शामिल हैं। वहीं इजराइल ने 2 हजार फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। इजराइल और हमास के बीच सीजफायर के दूसरे फेज पर अभी तक बातचीत शुरू नहीं हो पाई है। इस फेज में लगभग 60 बंधकों को रिहा किया जाना था। साथ ही जंग को पूरी तरह से खत्म करने पर बात होनी थी। हमास के पास अभी 24 जिंदा बंधक और 35 के शव हैं।

ट्रंप का जेलेंस्की को सुझाव, यूक्रेनी ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा के लिए उनकी कमान अमेरिका को सौंपें

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को यूक्रेन के अपने समकक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की को सुझाव दिया कि अमेरिका को यूक्रेन के अहम ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनका स्वामित्व अपने हाथ में ले लेना चाहिए। रूस-यूक्रेन में युद्ध-विराम के प्रयासों के बीच ट्रंप ने कहा कि उन्होंने बुधवार सुबह जेलेंस्की से करीब एक घंटा वार्ता की।

इससे एक दिन पहले ही ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से चर्चा की थी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ''रूस और यूक्रेन के अनुरोधों और आवश्यकताओं के अनुसार'' बातचीत की, क्योंकि वह दोनों देशों के बीच युद्ध-विराम समझौता चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, ''हम पूरी तरह से सही रास्ते पर हैं।'' बातचीत के दौरान ट्रंप ने जेलेंस्की को सुझाव दिया कि अमेरिका को यूक्रेन के अहम ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनका स्वामित्व अपने हाथ में ले लेना चाहिए। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज की ओर से व्हाइट हाउस में जारी बयान के अनुसार, ट्रंप ने जेलेंस्की से कहा कि अमेरिका ऊर्जा क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता के कारण इन संयंत्रों को चलाने में बहुत मददगार हो सकता है। ट्रंप ने कहा, ''उन संयंत्रों पर अमेरिकी स्वामित्व उस बुनियादी ढांचे के लिए सर्वोत्तम सुरक्षा हो सकती है।'' ट्रंप ने मंगलवार को पुतिन से यूक्रेन के साथ संभावित आंशिक युद्ध-विराम के बारे में बात की। पुतिन ऊर्जा अवसंरचना को निशाना न बनाने पर सहमत हुए, लेकिन 30 दिन के पूर्ण युद्ध-विराम का समर्थन करने से इनकार कर दिया। जेलेंस्की ने ट्रंप के साथ बातचीत से पहले बुधवार को कहा कि पुतिन का संकल्प वास्तविकता से बहुत अलग है, क्योंकि रात भर पूरे देश में ड्रोन हमले हुए हैं। हेलसिंकी में फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में जेलेंस्की ने कहा, ''यहां तक कि कल रात भी, पुतिन की ट्रंप के साथ बातचीत के बाद, जब पुतिन ने कहा कि वह कथित तौर पर यूक्रेनी ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले रोकने के आदेश दे रहे हैं।

आम चुनाव से पहले ही लोकतंत्र का गला घोंटने की तैयारी, एनसीपी नहीं चाहती अवामी लीग लड़े चुनाव

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले ही लोकतंत्र का गला घोंटने की तैयारी शुरू हो गई है। दरअसल, छात्र नेतृत्व वाली नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) ने बुधवार को कहा कि वह नहीं चाहती कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी बांग्लादेश अवामी लीग चुनाव में भाग ले। वह इसका विरोध करेगी। पिछले वर्ष छात्र आंदोलन के चलते ही हसीना का तख्ता पलट हुआ था। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए अमेरिका की समसामयिक मामलों की पत्रिका द डिप्लोमेट में प्रकाशित एक साक्षात्कार में एनसीपी के संयोजक नाहिद इस्लाम ने कहा, हम नहीं चाहते कि हसीना की पार्टी का कोई भी नामलेवा आगामी चुनावों में सक्रिय हिस्सा ले। इस्लाम ने कहा कि अवामी लीग के जो लोग गलत कामों के लिए जिम्मेदार हैं, उन पर सबसे पहले मुकदमा चलाया जाए। इस्लाम ने कहा, हमारा लक्ष्य एक संविधान सभा के जरिये द्वितीय गणराज्य की स्थापना करना है। यह पूछने पर कि कूटनीति पर उनकी पार्टी का रुख क्या है, इस्लाम ने कहा, सबसे महत्वपूर्ण यह है कि हम चाहते हैं कि बांग्लादेश किसी भी विदेशी शक्ति के प्रभुत्व से मुक्त होकर एक संतुलित और लाभप्रद कूटनीतिक दृष्टिकोण अपनाए। उन्होंने कहा, अतीत में हम दिल्ली के प्रभाव में थे। अब हम बांग्लादेश की राजनीति को भारत या पाकिस्तान के इर्द-गिर्द केंद्रित नहीं होने देंगे।

अमेरिकी शिक्षा विभाग को खत्म करने की तैयारी में ट्रंप, जल्द कर सकते हैं कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार (स्थानीय समयानुसार) को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रहे हैं, जिसका उद्देश्य अमेरिकी शिक्षा विभाग को खत्म करना है। यह उनके चुनावी वादों में से एक था। यूएसए टुडे ने वरिष्ठ ट्रम्प प्रशासन अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी।

ट्रंप इस आदेश पर व्हाइट हाउस में एक समारोह के दौरान हस्ताक्षर करेंगे, जिसमें कई रिपब्लिकन गवर्नर और राज्य के शिक्षा आयुक्त शामिल होंगे। यूएसए टुडे के अनुसार, ट्रंप अपनी शिक्षा सचिव लिंडा मैकमैहन को यह निर्देश देंगे कि शिक्षा विभाग को बंद करें और शिक्षा से संबंधित अधिकारों को राज्यों को लौटाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। आदेश में यह भी कहा गया है कि जिन सेवाओं, कार्यक्रमों और लाभों पर अमेरिकी नागरिक निर्भर हैं, उनकी अबाधित आपूर्ति जारी रहनी चाहिए।

यह आदेश ट्रंप के लिए परीक्षा होगा : ट्रंप का यह नया आदेश राष्ट्रपति की शक्तियों की सीमा की एक नई परीक्षा होगा। इससे पहले उनकी सरकार ने अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) को बंद करने का प्रयास किया था, जिसे इस सप्ताह मैरीलैंड के संघीय जिला न्यायालय ने रोक दिया था। 1978 में कांग्रेस द्वारा एक कैबिनेट-स्तरीय एजेंसी के रूप में स्थापित शिक्षा विभाग इस आदेश के तुरंत बाद बंद नहीं होगा। विभाग को पूरी तरह खत्म करने के लिए कांग्रेस की कार्रवाई की आवश्यकता होगी। हाल के हफ्तों में, ट्रंप ने इस एजेंसी के कर्मचारियों की संख्या कम कर दी है, लेकिन यह एजेंसी अभी भी काम कर रही है और स्कूलों के लिए महत्वपूर्ण संघीय वित्त पोषण कार्यक्रमों की निगरानी करती है। व्हाइट हाउस के प्रिंसिपल डिप्टी प्रेस सचिव हैरिसन फील्ड्स ने यूएसए टुडे को दिए एक बयान में कहा कि यह आदेश माता-पिता, राज्यों और समुदायों को सशक्त करेगा, जिससे सभी छात्रों के लिए परिणामों में सुधार होगा।

कई राज्यों के गवर्नर होंगे शामिल : एक व्हाइट हाउस अधिकारी के अनुसार, दिव्यांग छात्रों के लिए संघीय वित्त पोषण, कम आय वाले स्कूलों के लिए टाइटल द्ब फंडिंग और संघीय छात्र ऋण भुगतान इस आदेश के तहत अपरिवर्तित रहेंगे। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसांटिस, वर्जीनिया के गवर्नर ग्लेन यंगकिन, टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट और ओहायो के गवर्नर माइक डिवाइन सहित कई रिपब्लिकन गवर्नर इस हस्ताक्षर समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। रिपब्लिकन सांसद लंबे समय से संघीय सरकार पर स्थानीय और राज्य शिक्षा नीति पर नियंत्रण रखने का आरोप लगाते रहे हैं, हालांकि संघीय सरकार का स्कूल पाठ्यक्रम पर कोई नियंत्रण नहीं है। ट्रंप का यह आदेश ऐसे समय आया है जब पिछले हफ्ते 1,300 से अधिक शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को सेवा समाप्ति नोटिस दिया गया था। यह फेडरल गवर्नमेंट एफिशिएंसी डिपार्टमेंट द्वारा संघीय सरकार में की गई छंटनी के तहत किया गया था।

अलास्का विमान दुर्घटना: दुर्घटनाग्रस्त विमान का वजन बर्फीली परिस्थितियों के लिहाज से आधा टन अधिक था: जांचकर्ता

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने बुधवार को जारी एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा कि अलास्का के तट पर समुद्री बर्फ पर दुर्घटनाग्रस्त हुए यात्री विमान का वजन बर्फीली परिस्थितियों में यात्रा के लिहाज से आधा टन अधिक था। इस हादसे में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई थी। एनटीएसबी के अलास्का क्षेत्र का नेतृत्व करने वाले क्लिंट जॉनसन ने चेतावनी देते हुए कहा कि वजन चल रही जांच में सिर्फ एक डेटा बिंदु है। दुर्घटना के बाद संभावित कारणों सहित अंतिम रिपोर्ट तैयार होने में एक वर्ष या उससे अधिक समय लग सकता है। 6 फरवरी को बेरिंग एयर के विमान की दुर्घटना अलास्का की सदी की सबसे घातक विमान दुर्घटनाओं में से एक थी। आठ दिनों में यह तीसरी बड़ी अमेरिकी विमानन दुर्घटना थी। 29 जनवरी को पोटोमैक नदी के ऊपर एक वाणिज्यिक जेटलाइनर और एक सेना के हेलीकॉप्टर में टक्कर हो गई, जिसमें 67 लोग मारे गए। 31 जनवरी को फिलाडेल्फिया में एक चिकित्सा परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी छह लोग और जमीन पर एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। इस क्षेत्र में इस तरह के विमान बहुत ज्यादा प्रयोग में आते हैं। राज्य के

200 से ज्यादा गांव सड़क प्रणाली से दूर हैं और केवल हवाई जहाज या नाव से ही पहुंचा जा सकता है। लोग मेडिकल अपॉइंटमेंट और मीटिंग्स, शॉपिंग करने, रिश्तेदारों से मिलने या हाई स्कूल के दूर के खेल खेलों में भाग लेने के लिए उनका उपयोग करते हैं। जॉनसन ने कहा कि यह निर्धारित किया जाना बाकी है कि दुर्घटना में अधिक वजन की स्थिति एक कारक थी या नहीं। उन्होंने कहा कि मार्ग पर बर्फबारी की स्थिति का पूर्वानुमान था, और नोम में बर्फबारी हो रही थी। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि पायलट को क्या जानकारी दी गई थी, जब वह रवाना हुआ तो उसके पास क्या जानकारी थी और क्या दुर्घटना स्थल पर बर्फबारी की स्थिति थी। टिप्पणी हेतु बेरिंग एयर को भेजी गई ई-मेल का तुरंत उत्तर नहीं मिला। एंकोरेज में विमानन दुर्घटना मुकदमेबाजी वकील और पायलट व्हिटनी पावर विल्सन ने कहा कि सुदूर अलास्का में मौसम अक्सर एक कारक होता है, और हालांकि अधिकांश अलास्कावासियों के लिए उड़ान भरना सामान्य बात है, लेकिन यह एक खतरनाक कार्य भी हो सकता है। उन्होंने कहा, बर्फ जमना सभी पायलटों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए, लेकिन खास तौर पर छोटे विमानों के पायलटों और उन पायलटों के लिए जो अक्सर बर्फ जमने के अनुकूल परिस्थितियों में काम करते हैं।

भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए तहव्वुर राणा ने चली आखिरी चाल, अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश से की अपील

वॉशिंगटन, एजेंसी। मुंबई हमले का आरोपी तहव्वुर राणा अपना भारत प्रत्यर्पण रोकने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहा है। अब उसने प्रत्यर्पण रोकने के लिए आखिरी चाल चली है और अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स से अपील की है। गौरतलब है कि तहव्वुर राणा ने इससे पहले अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस एलेना कागन के सामने भी अपील की थी, लेकिन जस्टिस एलेना ने तहव्वुर राणा की याचिका को खारिज कर दिया था।

4 अप्रैल को हो सकती है सुनवाई : अमेरिका के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स आगामी 4 अप्रैल को तहव्वुर राणा की अपील पर सुनवाई कर सकते हैं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर यह जानकारी दी गई है। अपनी अपील में तहव्वुर राणा ने उसका भारत प्रत्यर्पण रोकने की अपील की है। दरअसल तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण का डर सता रहा है। तभी जब उसने जस्टिस एलेना से अपील की थी तो उसमें कहा था कि उसे भारत में प्रताड़ित किया जा सकता है और इसके चलते वह ज्यादा लंबे समय तक जीवित नहीं रह पाएगा।

तहव्वुर राणा को सता रहा डर : तहव्वुर राणा ने कहा कि वह एक मुस्लिम है और पाकिस्तानी मूल का है। साथ ही वह पूर्व में पाकिस्तानी सेना में भी सेवाएं दे चुका है। इसके कारण उसे भारत में प्रताड़ित किया जा सकता है। मुंबई हमले के साजिशकर्ता ने ये भी कहा कि उसकी सेहत ठीक नहीं है और वह कई गंभीर बीमारियों से जूझ रहा है। ऐसे में उसे भारत में प्रताड़ित कर मारा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित किया जाएगा। तहव्वुर राणा को साल 2008 के मुंबई हमले के दोषी आतंकी डेविड कोलमैन का करीबी माना जाता है। तहव्वुर राणा मुंबई हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में शामिल है। तहव्वुर राणा पर लश्कर ए तैयबा और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआईय के साथ मिलकर काम करने का आरोप है।

अमेरिका में भारतीय छात्र बदर खान सूरी गिरफ्तार

वॉशिंटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के इमिग्रेशन अधिकारियों ने सोमवार रात एक भारतीय छात्र बदर खान सूरी को वर्जीनिया से गिरफ्तार किया है। सूरी पर अमेरिका में हमास के समर्थन में प्रोपेगेंडा फैलाने का आरोप है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प विदेश नीति का विरोध करने वाले छात्र कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई कर रही है।

सूरी को भी इसी कार्रवाई के तहत गिरफ्तार किया गया है। उस पर इजराइल का विरोध करने के आरोप लगे हैं। सूरी स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी का छात्र है। वह सेंटर फॉर मुस्लिम-क्रिश्चियन अंडरस्टैंडिंग में पोस्टडॉक्टोरल फेलो के रूप में अध्ययनरत है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग में सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने ङ्ग पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि सूरी सक्रिय तौर पर हमास का प्रचार कर रहा था और सोशल मीडिया पर यहूदी विरोधी भावना को बढ़ावा दे रहा था। उसे अमेरिका से निर्वासित किया जा सकता है।

हमास का समर्थन करने पर भारतीय छात्रा का वीजा रद्द : अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पढ़ रही भारतीय छात्रा रंजनी श्रीनिवासन का इसी महीने वीजा रद्द कर दिया गया था। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने आरोप लगाया है कि श्रीनिवासन हिंसा-आतंकवाद को बढ़ावा देने और हमास का समर्थन करने वाली गतिविधियों में शामिल थीं। वीजा रद्द होने के बाद रंजनी ने अमेरिका छोड़ चुकी हैं। डीएचएस के मुताबिक रंजनी को एफ-1 स्टूडेंट वीजा के तहत कोलंबिया यूनिवर्सिटी के अर्बन प्लानिंग में क्कद्धष्ठ करने के लिए एडमिशन मिला था। अमेरिकी

विदेश विभाग ने 5 मार्च को उनका वीजा निरस्त कर दिया था। इसके बाद रंजनी ने 11 मार्च को अमेरिका छोड़ दिया। डीएचएस की सचिव क्रिस्टी नोएम ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति हिंसा और आतंकवाद का समर्थन करता है, तो उसे इस देश में रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ट्रम्प प्रशासन ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी को 33 अरब रुपए की मदद रोकी ट्रम्प प्रशासन ने मार्च की शुरुआत में कोलंबिया यूनिवर्सिटी के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 33 अरब रुपए) के अनुदान को रद्द कर दिया था। प्रशासन ने यूनिवर्सिटी पर यहूदी छात्रों के हो रहे उत्पीड़न को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया है। अमेरिकी शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग, न्याय विभाग और सामान्य सेवा प्रशासन की जॉइंट टास्क फोर्स टु कॉम्बैट एंटी-सेमिटिज्म ने यह कार्रवाई की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यहूदी छात्रों की सुरक्षा करने में विफल रहने और विरोध-प्रदर्शनों की इजाजत देने वाली यूनिवर्सिटीज को फेडरल ग्रांट (संघीय वित्तीय सहायता) न देने की चेतावनी दी है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी ज्यूडिशियल बोर्ड ने गाजा को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान हैमिल्टन हॉल पर कब्जे में शामिल छात्रों पर सख्त कार्रवाई की है। अमेरिकी इमिग्रेशन विभाग के अधिकारियों ने वेस्ट बैंक की एक फिलिस्तीनी छात्रा लेका कोर्डिया को गिरफ्तार किया था। लेका 2022 से एक्सपायर स्टूडेंट वीजा पर अमेरिका में रह रही थी। उसे अप्रैल 2024 में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में हमास समर्थक प्रदर्शनों में शामिल होने की वजह से हिरासत में लिया गया था। इसके अलावा ट्रम्प प्रशासन ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी में ग्रेजुएशन के स्टूडेंट महमूद खलील को गिरफ्तार किया है। खलील पर इजराइल विरोधी प्रदर्शनों में शामिल होने का आरोप है। इमिग्रेशन अधिकारियों ने खलील को डिटेंशन सेंटर भेज दिया है। खलील फिलिस्तीनी मूल का है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत पुलिस ने असामाजिक तत्वों और हार्डकोर अपराधियों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू

2036 असामाजिक तत्वों की सूची तैयार, 4 घंटे में महिला सहित पांच बूटलेगर्स के अवैध निर्माण ध्वस्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पुलिस ने असामाजिक तत्वों और हार्डकोर अपराधियों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू किया है। पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलोत के अनुसार,डीजीपी विकास सहाय ने पूरे राज्य में 100 घंटे के भीतर असामाजिक तत्वों की सूची तैयार करने का आदेश दिया था। इस अभियान के तहत सूरत में 2036 असामाजिक तत्वों की सूची तैयार की गई, जिसमें 350 हार्डकोर अपराधी, 200 बूटलेगर, 300 गुजसीटोक आरोपी, 1 चेन स्नैचर और अन्य अपराधी शामिल हैं।

महिला समेत पांच बूटलेगरों – कुख्यात सज्जू कोठारी और मुस्ताक पटेल के अवैध निर्माण को 4 घंटे के भीतर ध्वस्त कर दिया गया।

गुंडों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ मेगा ड्राइव शुरू

पुलिस ने इस लिस्ट पर तुरंत कार्रवाई करते हुए:

24 लोगों को PAS (गुंडा एक्ट) के तहत गिरफ्तार किया।

100 आरोपियों को तड़ीपार किया।

9 स्थानों पर अवैध निर्माण तोड़े।

16 लोगों के घरों की बिजली काटी।

26 कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाए।

200 से अधिक वाहन जब्त किए।

लुख्खों और गुंडों के खिलाफ सूरत में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। सज्जू कोठारी, मोहम्मद आरिफ, मुस्ताक पटेल और समीम मांडवा जैसे अपराधियों के अवैध निर्माण गिराए गए। साथ ही लालगेट, वराछा, लसकाणा और सलाबतपुरा क्षेत्रों में बूटलेगरों के अवैध कब्जे हटाए गए।

पुलिस नेसूदखोरों (मनी लेंडर्स) पर भी कार्रवाई शुरू कर दी है और बैंक खातों तथा आंगड़िया पेढ़ियों की जांच की जा रही है।

सूरत पुलिस ने एक ही दिन में महिला समेत पांच लिस्टेड बूटलेगरों और दो कुख्यात अपराधियों के अवैध निर्माण गिरा दिए। इनमें से एक अपराधी अंडरवर्ल्ड से जुड़ा हुआ है और दूसरा पहले बम ब्लास्ट का आरोपी रह चुका है।

अंडरवर्ल्ड से जुड़े अल्ताफ और मुस्ताक पटेल के घरों का ध्वस्तीकरण

अंडरवर्ल्ड से कनेक्शन रखने वाले और महाराष्ट्र में MCOC क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस ने महानगरपालिका कर्मचारियों की मदद से ध्वस्त कर दिया।

सज्जू कोठारी के अवैध निर्माण का ध्वस्तीकरण सूरत के अठवा इलाके में रहने वाले कुख्यात अपराधी सज्जू कोठारी के खिलाफ हत्या, अपहरण, दंगे, सट्टेबाजी सहित 6 से अधिक केस दर्ज हैं।

लैंड ग्रैबिंग एक्ट और गुजसीटोक (GujCTOC) के तहत भी कार्रवाई हो चुकी है।

एक दिन पहले ही उसके घर के पास अवैध निर्माण तोड़ा गया था, लेकिन पुलिस ने झोन-4 नगर निगम अधिकारियों के साथ दोबारा कार्रवाई कर अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिया।

सज्जू कोठारी ने नानपुरा इलाके में एक खुले प्लॉट में अपनी लग्जरी कार पार्क करने के लिए टीन शेड बनाकर सार्वजनिक जगह पर कब्जा कर लिया था। पुलिस और नगर निगम की टीम ने इस अवैध निर्माण को हटा दिया।

एक ही दिन में 5 लिस्टेड बूटलेगरों के अवैध निर्माण तोड़े गए के आरोपी तथा सूरत के कई अपराधों में शामिल अल्ताफ पटेल के घर पर पुलिस ने एक दिन पहले सर्च ऑपरेशन किया था। इस दौरान पता चला कि अल्ताफ के घर के बाहर अवैध निर्माण किया गया था और उसने अपने मामा के घर से लोहे की एक छोटी ब्रिज (रोप ब्रिज) जोड़ दी थी।

उसका मामा, मुस्ताक पटेल, भी एक अपराधी रह चुका है और 1993 में सूरत रेलवे स्टेशन बम ब्लास्ट केस का आरोपी था। गुजरात हाईकोर्ट ने उसे दोषी ठहराया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बाद में बरी कर दिया।

दोनों घरों के बीच बनाई गई 5 फीट की रोप ब्रिज को सूरत

अकाउंटेंट से 75.92 लाख की ठगी

क्रिप्टोकरंसी, शेयर बाजार और जमीन में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक अकाउंटेंट के साथ 75.92 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने पीड़ित को क्रिप्टोकरंसी, शेयर बाजार और जमीन में निवेश के नाम पर बड़ा मुनाफा दिलाने का झांसा दिया और लाखों रुपये हड़प लिए। जब निवेश पर कोई रिटर्न नहीं मिला, तो पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कैसे हुई ठगी?

आरोपी ने क्रिप्टोकरंसी, शेयर बाजार और जमीन में निवेश करने का ऑफर दिया और कहा कि कुछ महीनों में मोटा मुनाफा होगा।

भरोसा जीतने के लिए शुरुआत में छोटे-छोटे रिटर्न दिए, जिससे पीड़ित ने और अधिक रकम निवेश कर दी।

जब पीड़ित ने अपनी रकम वापस मांगी, तो आरोपी ने बहाने बनाना शुरू कर दिया।

आखिरकार, जब लंबे समय तक पैसे नहीं मिले, तो अकाउंटेंट को एहसास हुआ कि वह ठगी का शिकार हो चुका है।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

पीड़ित ने सूरत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी की बैंक डिटेल्स और लेन-देन की जांच की, जिसमें ठगी का खुलासा हुआ।

आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है कि उसने कितने और लोगों को इसी तरह ठगा है।

अलर्ट: ऐसे धोखाधड़ी से बचें!

अविश्वसनीय रूप से अधिक रिटर्न देने वाले ऑफर से सतर्क रहें।

क्रिप्टोकरंसी, शेयर बाजार या जमीन में निवेश करने से पहले पूरी जांच करें।

किसी को भी बिना जांचे-परखे बड़ी रकम न दें।

अगर ठगी का शिकार हों, तो तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं।

पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और अन्य संभावित पीड़ितों की भी तलाश कर रही है।

वन नेशन वन इलेक्शन के प्रभाव पर SGCCI में विशेष संवाद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में SGCCI (साउथ गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) द्वारा वन नेशन, वन इलेक्शन के प्रभावों पर एक विशेष संवाद आयोजित किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने इस प्रणाली के संभावित प्रभावों पर चर्चा की।

विशेषज्ञों ने निष्कर्ष निकाला कि एक साथ चुनाव होने से देश में चुनावी खर्च में भारी कमी आएगी, जिससे सरकारी संसाधनों की बचत होगी।

विशेषज्ञों का निष्कर्ष-चुनाव खर्च में कमी आएगी उद्योगों को होगा फायदा

वर्तमान में अलग-अलग समय पर चुनाव होने के कारण प्रशासनिक तंत्र पर भारी दबाव पड़ता है, जिससे उद्योग और व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित होती हैं।

संवाद में मौजूद उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने बताया कि बार-बार चुनावी प्रक्रिया के कारण नीति निर्माण और निर्णय लेने में देरी होती है, जिससे व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

यदि पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाएं, तो इससे व्यापार क्षेत्र को स्थिरता मिलेगी और निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण बनेगा।

इसके अलावा, बार-बार लगने वाली आचार संहिता से सरकारी परियोजनाएं और विकास कार्य बाधित होते हैं, लेकिन वन नेशन वन इलेक्शन लागू होने से इन रुकावटों को दूर किया जा सकेगा और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

सूरत के ग्रे कपड़ा व्यापारी से 2.89 करोड़ की ठगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में एक बड़े आर्थिक अपराध का खुलासा हुआ है, जिसमें शिकायतकर्ता सुरेंद्रकुमार ओमप्रकाश नारंग के साथ 2.89 करोड़ रुपये की ठगी की गई। इस मामले में आर्थिक अपराध शाखा ने मुख्य आरोपी रिजवान यूसुफभाई वडनगरवाला को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है।

शिकायतकर्ता सुरेंद्रकुमार नारंग द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, आरोपी और उसके साथियों ने व्यवसायिक पहचान स्थापित कर विश्वास जीतने के लिए बताया कि वे सूरत में कई व्यापारी पार्टियों से उधारी में ग्रे-कपड़ा खरीदते हैं और व्यापारी परंपरा के अनुसार समय पर भुगतान करते हैं। इसी विश्वास में रखकर आरोपियों ने शिकायतकर्ता से भी बड़े पैमाने पर ग्रे-कपड़ा उधारी में लिया था।

शुरुआत में उन्होंने नियमित भुगतान किया, जिससे शिकायतकर्ता को उन पर भरोसा हो गया। बाद में, उन्होंने अधिक माल का ऑर्डर दिया और चेक बाउंस करवा दिए। लिखित वचन देने के बावजूद भुगतान नहीं किया। जब शिकायतकर्ता ने वसूली के लिए संपर्क किया, तो आरोपियों ने टालमटोल की और फिर मोबाइल बंद कर दिया और अपनी दुकानें बंद कर फरार हो गए।

इस मामले की विस्तृत जांच के बाद सूरत DCB पुलिस ने IPC की धारा 409 (विश्वासघात), 420 (धोखाधड़ी) और 114 (सहयोगी अपराध) के तहत मामला दर्ज किया। मामले की जांच इको सेल को सौंपी गई थी। आर्थिक अपराध शाखा ने आरोपी रिजवान यूसुफभाई वडनगरवाला (उम्र 47, वालिदन फ्लैट, कुंभारवाड़ा, गाजीपीर, जामालपुर, अहमदाबाद) को गिरफ्तार कर लिया है।

अब पुलिस जांच कर रही है कि इस धोखाधड़ी में और कौन-कौन शामिल है और क्या आरोपी पहले भी ऐसे अपराधों में लिप्त था। इस मामले में और गिरफ्तारियां होने की संभावना है और पुलिस अन्य साथियों की तलाश कर रही है।

कैसे हुई ठगी?

पीड़ित सूरत के ग्रे कपड़ा व्यापारी हैं, जिन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

आरोपी ने पहले व्यापारी से व्यापारिक संबंध बनाए और भुगतान की विश्वसनीयता साबित करने के लिए कुछ लेन-देन किए।

इसके बाद, आरोपी ने बड़ी मात्रा में कपड़ा उधार लिया और 2.89 करोड़ की राशि बकाया रखी।

जब व्यापारी ने भुगतान की मांग की, तो आरोपी ने टालमटोल करना शुरू कर दिया और बाद में रकम लौटाने से इनकार कर दिया।

आत्महत्या या हत्या?

सूरत में पालनपुर के पास नहर से महिला का शव मिला, फायर ब्रिगेड ने निकाला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पालनपुर क्षेत्र के पास नहर से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ। स्थानीय लोगों ने शव को नहर में तैरते हुए देखा और तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

ssss फायर ब्रिगेड ने शव को बाहर निकाला

फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद शव को नहर से बाहर निकाला।

महिला की उम्र लगभग 30-35 साल बताई जा रही है लेकिन उसकी पहचान अब तक नहीं हो पाई है।

हत्या या आत्महत्या? पुलिस जांच में जुटी

पुलिस यह जांच कर रही है कि यह मामला आत्महत्या का है या हत्या का।

शव की हालत देखकर ऐसा लग रहा है कि महिला की मौत कुछ घंटे पहले हुई होगी।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिससे मौत की असली वजह का पता चल सके। स्थानीय लोगों से पूछताछ जारी पुलिस नजदीकी इलाकों में लापता महिलाओं की जानकारी जुटा रही है।

यदि यह हत्या का मामला है, तो शव यहां कैसे पहुंचा और कौन जिम्मेदार है, इसकी जांच जारी है।

पुलिस नेलोगों से अपील की है कि अगर किसी को इस महिला की पहचान के बारे में जानकारी हो, तो वे तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

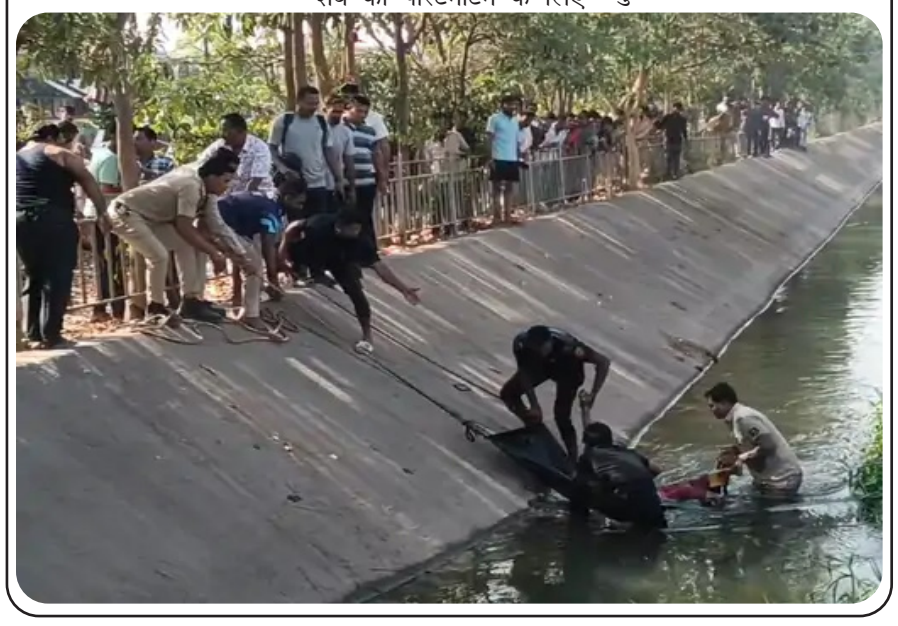

गांधीनगर RTO कार्यालय में एंटी करप्शन ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई

एक जागरूक नागरिक की शिकायत के आधार पर ACB ने यह ट्रैप बिछाया। शिकायत में बताया गया था कि RTO कार्यालय में आवेदकों से ऑनलाइन प्रक्रियाओं के लिए 100 से 1000 तक की रिश्वत मांगी जाती है।

साइन कर इसे RTO इंस्पेक्टर परमार के पास भेजा, जिन्होंने तुरंत सिग्नेचर कर दिया। इसके बाद दिपेन ने 1000 की रिश्वत की मांग की। जैसे ही रिश्वत की रकम स्वीकार की गई, ACB की टीम ने दोनों आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ लिया।

डिकॉय ऑपरेशन के तहत ट्रैप

ACB ने डिकॉय (गुप्त एजेंट) का उपयोग कर इस जाल को अंजाम दिया। डिकॉय ने दो कमर्शियल वाहनों के आजीवन कर (लाइफटाइम टैक्स) का भुगतान करवाने के लिए RTO इंस्पेक्टर हितेंद्रसिंह परमार से संपर्क किया। परमार ने एजेंट को अपने दलाल दिपेन रामी से मिलने के लिए कहा।

रिश्वत की मांग और गिरफ्तारी

दिपेन ने पहले करेक्शन फॉर्म पर

ACB टीम और सुपरविजन

यह कार्रवाई ACB फील्ड-2, अहमदाबाद के पुलिस इंस्पेक्टर एन.बी. सोलंकी के नेतृत्व में की गई। मामले की जांच सहायक निदेशक एन.एन. जादव की निगरानी में जारी है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश

इस मामले से भ्रष्टाचार के खिलाफ एक सख्त संदेश दिया गया है। ACB द्वारा ऐसे मामलों में तेजी से कार्रवाई की जा रही है, जिससे रिश्वतखोरी पर लगाम लग सके।